Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 166
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-बुधवार,15 अक्टूबर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 दीपावली के दृष्टिगत नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने की

4 शहबाज शरीफ ने चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़कर

5 अमृता राव पर किसी ने किया था वशीकरण, 3

ग्राम पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं, ग्रामीण विकास की आत्मा है: सीएम

पंचायतों को आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने के लिए पारदर्शिता, तकनीक और संसाधनों के उपयोग पर बल

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्यों से नवाचारों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया है। पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं बल्कि ग्रामीण विकास की आत्मा हैं। इनको आत्मनिर्भर बनाने के लिए पारदर्शिता, तकनीक और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। पंचायतों की स्वनिधि बढ़ाने के लिए विभिन्न सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। स्थानीय कर एवं यूजर चार्ज संग्रह की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है। पंचायतों की आय वृद्धि के लिए विभिन्न नवाचारों पर कार्य जारी है। पारदर्शिता और तकनीकी उपयोग के माध्यम से ग्राम पंचायतों की राजस्व प्राप्ति और जनसेवा की गुणवत्ता दोनों में सुधार सुनिश्चित किया जाए। विकास प्राधिकरणों के अतिरिक्त जिला पंचायतों के अधीन क्षेत्रों में भवन मानचित्र स्वीकृति के लिए जिला पंचायतों के पास दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता होनी चाहिए। प्रत्येक जिला पंचायत में सिविल इंजीनियर अथवा आर्किटेक्ट की तैनाती की व्यवस्था की जाए, जिससे स्थानीय निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्र खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड निर्माण, संशोधन, बायोमेट्रिक अपग्रेडेशन आदि कार्यों के लिए यह सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे नागरिकों को सुविधा मिले और मिलने वाले शुल्क से ग्राम पंचायत की आय में भी वृद्धि हो।बैठक में बताया गया कि पंचायती राज विभाग द्वारा तालाबों पोखरों की सूचीकरण, उपयोग नीति पर कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत तथा जिला पंचायत के अधीन तालाबों पोखरों का समयबद्ध पट्टा किया जाए और इनसे प्राप्त राशि को हर घर नल, जल संरक्षण तथा ग्राम्य हित के कार्यों में ही उपयोग किया जाए। उन्होंने स्पष्ट नियमावली तैयार करने के निर्देश भी दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायतों के पास जितनी अधिक स्व-वित्तीय क्षमता होगी, उतनी ही तेजी से ग्रामीण विकास के कार्य आगे बढ़ेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पंचायत प्रतिनिधियों को वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल सेवा वितरण और जनसुविधा संचालन के विषय में प्रशिक्षण दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायतों की समृद्धि ही आत्मनिर्भर भारत की नींव है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर ग्राम पंचायत सेवा, स्वच्छता और स्वावलंबन की प्रतीक बने।

सीएम धामी ने 1456 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र, कहा- पारदर्शिता और समर्पण के साथ करें काम

देहरादून (एजेंसी)। सीएम ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर नियुक्ति अभ्यर्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, साथ ही राज्य के उज्ज्वल भविष्य की नींव निर्धारण के लिए भी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज दून मेडिकल कॉलेज में 1456 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए। इसमें लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित 109 समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी व उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 1347 सहायक अध्यापक (एल.टी.) शामिल हैं। सीएम ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर नियुक्ति अभ्यर्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, साथ ही राज्य के उज्ज्वल भविष्य की नींव निर्धारण के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने नवनियुक्त युवाओं से अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण की भावना के साथ करने की अपेक्षा करते हुए कहा कि अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले चार वर्षों में राज्य में 26 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी में सेवायोजित किया जा चुका है। यह संख्या राज्य के गठन के बाद पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में मिली कुल नौकरियों से दो गुना से भी अधिक हैं। आज हमारे युवा पारदर्शी व्यवस्था और मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियों में अवसर पा रहे हैं। हाल ही में हरिद्वार के एक परीक्षा सेंटर पर एक व्यक्ति द्वारा नकल का एक प्रकरण सामने आया था।

दुर्गापुर रेप केसः

पांच गिरफ्तार आरोपियों को घटनास्थल पर ले जा सकती है पुलिस

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा से सामूहिक बलात्कार के सिलसिले में घटना के तार जोड़ने के लिए गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों को मंगलवार को अपराध स्थल पर ले जा सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। गिरफ्तार किए गए लोगों को परानागंज काली बाड़ी श्मशान घाट से सटे जंगल में स्थित अपराध स्थल पर ले जाया जाएगा, जो निजी मेडिकल कॉलेज के गेट के पास है। अधिकारी ने बताया, चूंकि अपराध का नाट्य रूपांतरण जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए हम इसे करने की योजना बना रहे हैं... यह आज हो सकता है। इस बीच उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों में से दो को मंगलवार सुबह उनके आवासों पर ले जाया गया, ताकि मुख्य रूप से अपराध से जुड़े उन सबूतों का पता लगाया जा सके जिन्हें उन्होंने छिपाया हो। उन्होंने बताया कि बाद में गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए ले जाया जाएगा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों में से एक निजी कॉलेज का पूर्व सुरक्षा गार्ड है, जबकि दूसरा वर्तमान में दूसरे अस्पताल में कार्यरत है। एक आरोपी स्थानीय नगर निकाय में अस्थायी कर्मचारी है जबकि दूसरा बेरोजगार है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को मंगोलिया के विकास में मजबूत और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के मौके पर मंगोलिया के नागरिकों के लिए निशुल्क ई -वीजा की घोषणा की है। पीएम मोदी ने भारत की यात्रा पर आए मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि भारत मंगोलिया के विकास में एक दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हुरेलसुख की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष और रणनीतिक भागीदारी के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह वर्ष के बाद मंगोलिया के राष्ट्रपति का भारत आना अपने आप में एक बहुत

विशेष अवसर है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि भारत मंगोलिया के नागरिकों को निःशुल्क ई-वीजा देगा और हर वर्ष मंगोलिया से युवा कल्चरल एम्बेसडर्स की भारत यात्रा की भी व्यवस्था करेगा। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच दस वर्ष पहले हुई रणनीतिक साझेदारी का विस्तार हुआ है और यह प्रगाढ हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत और मंगोलिया के संबंध केवल राजनयिक नहीं है यह हमारे बीच आत्मीय और आध्यात्मिक बंधन है। हमारे संबंधों की असली गहराई और व्यापकता हमारे लोगों के बीच संपर्क में दिखाई पड़ती है। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच अध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों-सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेष भारत से मंगोलिया भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत मंगोलिया की गंदन मॉनेस्टेरी में एक संस्कृत शिक्षक भी भेजेगा ताकि वहां के बौद्ध ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया जा सके और प्राचीन ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके मोदी ने मंगोलिया में बौद्ध धर्म के लिए नालंदा विश्वविद्यालय की अहम भूमिका का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि नालंदा और गंदन मॉनेस्टेरी को साथ जोड़कर हम इस ऐतिहासिक संबधो में एक नयी उर्जा लायेंगे। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने वृक्षारोपण भी किया। मोदी ने कहा, राष्ट्रपति हुरेलसुख ने अपनी स्वर्गीय माताजी के नाम पर जो वटवृक्ष लगाया है, वह आने वाली कई पीढ़ियों तक हमारी गहरी मित्रता और पर्यावरण के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक रहेगा।

कुछ देश खुलेआम वैश्विक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं:राजनाथ

संयुक्त राष्ट्र में सुधार जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं जबकि कई अन्य देश अपने खुद के मानदंड बनाना चाहते हैं और अगली सदी में वर्चस्व स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत पुरानी पड़ चुकी अंतरराष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को कायम रखने में मजबूती से खड़ा है। रक्षा मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों के लिए सैनिक भेजने वाले देशों के सैन्य प्रमुखों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन देशों का नाम नहीं लिया जो वैश्विक मानदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं या अपने नए मानदंड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम आज की चुनौतियों का सामना पुराने बहुपक्षीय ढांचों से नहीं कर सकते। व्यापक सुधारों के बिना संयुक्त राष्ट्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा, आज की परस्पर जुड़ी दुनिया के लिए हमें एक सुधार वाले बहुपक्षवाद की आवश्यकता है। रक्षा मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भारत के योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हमारा योगदान बलिदान के बिना नहीं रहा है। 180 से ज्यादा भारतीय शांति सैनिकों ने संयुक्त राष्ट्र के बैनर तले अपने प्राणों की आहुति दी है। उनका साहस और निस्वार्थ सेवा भाव मानव जाति की सामूहिक अंतरात्मा में अंकित है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले कई दशकों में लगभग 2,90,000 भारतीय कर्मियों ने 50 से अधिक संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सेवा दी है। उन्होंने कहा, कांगो और कोरिया से लेकर दक्षिण सूडान और लेबनान तक, हमारे सैनिक, पुलिस और चिकित्सा पेशेवर कमजोर लोगों की रक्षा करने और समाज के पुनर्निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं।

ओवैसी की पार्टी चुनाव लड़कर भाजपा को लाभ पहुंचाना चाहती है, एआईएमआईएम की एंट्री पर बोले उदित राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एआईएमआईएम की एंट्री पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ओवैसी की पार्टी चुनाव लड़कर भाजपा को लाभ पहुंचाना चाहती है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के थर्ड फ्रंट बनाए जाने पर कांग्रेस नेता उदित राज ने न्यूज एजेंसी से बातचीत की। उन्होंने कहा कि ये तो कोई असाधारण बात नहीं है। खेल बिगड़ने के लिए जहां चुनाव होता है, वहां ओवैसी की पार्टी पहुंच जाती है। ये धार्मिक तकरीर करते हैं, वोट का

ध्रुवीकरण होता है। उसका फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिलता है। कांग्रेस नेता उदित राज ने दिल्ली दंगों के आरोप में जेल में बंद शरजील इमाम द्वारा बिहार चुनाव लड़ने की इच्छा पर कहा कि बिहार में तो तमाम अपराधी भी लड़े हैं। इनके ऊपर तो चार्जेज हैं, ये भी लड़ सकते हैं। कोई ऐसी बात तो नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पीएम मोदी की तारीफ किए जाने पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि ट्रंप कुछ भी कह सकते हैं। लेकिन, पीएम मोदी को दोस्त कहने वाले ट्रंप भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाते हैं, वीजा पर शुल्क बढ़ाते हैं। अगर दोस्त हैं तो फिर टैरिफ कैसे लगा दिया जाता है? बता दें कि एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने बताया कि पार्टी की बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति चुनाव लड़ना और जीतना है। जीत सुनिश्चित करने के लिए, हमें अपने अवसरों का उपयोग करना होगा। हम समान विचारों वाले लोगों को एक साथ ला रहे हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य, जो दलितों के नेता और हाशिए के समुदायों की आवाज रहे हैं, उनकी पार्टी हमारा समर्थन कर रही है। आज हम अपने गठबंधन की घोषणा कर रहे हैं, हालांकि कई घटक दलों के साथ बातचीत अभी भी जारी है।

सुदर्शन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 165 बच्चों को हुआ स्वर्णप्राशन - डॉ जी एस तोमर

सुदर्शन हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर त्रिवेणीपुरम, झूँसी एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर का आयोजन झंडु इमामी समूह के सौजन्य से दि. 14 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर किया गया जिसमें नवजात शिशु से लेकर 16 वर्ष की आयु तक के 165 बच्चों को स्वर्ण विन्दु के रूप में स्वर्णप्राशन की खुराक दी गयी। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष, प्रो. (डॉ) जी एस तोमर ने स्वर्ण बिंदु के लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि स्वर्णप्राशन से बच्चों को दीघार्यु, ऊर्जा, मेधाशक्ति व रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ बाल्यावस्था में होने वाले सामान्य

रोगों से भी लड़ने की शक्ति में भी वृद्धि होती है । आयुर्वेद में हजारों साल पहले कश्यप संहिता में इसका वर्णन मिलता है । स्वर्ण विन्दु पिलाने के आधा घण्टा पहले और आधा घण्टा बाद में कुछ भी खाने पीने को नहीं देना चाहिए । स्वर्णप्राशन में प्रयुक्त औषधि विन्दु

में 24 कैरट सोने से बनी स्वर्ण भस्म, शहद एवं औषधीय घृत निर्दिष्ट अनुपात में मिश्रित किया जाता है । जिसे मंत्रोच्चार के साथ चिकित्सक द्वारा दिया जाता है । स्वर्णप्राशन पुष्य नक्षत्र के दिन और अधिक प्रभावी होता है । पुष्य का अर्थ पोषण करने वाला होता है ।भारतीय ज्योतिष शास्त्र में इस नक्षत्र को संरक्षण, संवर्धन और समृद्धि का प्रतीक माना गया है ।यह परम मंगलकारी एवं शुभ माना गया है ।यह विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाव एवं इम्म्युनिटी बढ़ाने के लिये लाभदायक है। सुदर्शन आयुर्वेद केन्द्र के निदेशक राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि स्वर्ण प्राशन की यह खुराक दो वर्षों से प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्रे दिन बच्चों को निःशुल्क पिलाने की योजना है । इस पुनीत संस्कार हेतु वांछित औषधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु डॉ तोमर ने झंडु इमामी समूह का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन किया ।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

स्त्री शक्तिप्राश स्त्रियों के स्वास्थ्य के लिए संजीवनी- डॉ जी एस तोमर

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अन्तर्गत विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा झंडु इमामी समूह के सौजन्य से सुदर्शन आयुर्वेद हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर पर निःशुल्क स्त्री स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया

।जिसमें ख्याति लब्ध आयुर्वेद चिकित्सक प्रो (डॉ) जी एस तोमर द्वारा चिकित्सा परामर्श एवं प्रबोधन के साथ साथ स्त्रीशक्तिप्राश का स्वाद परीक्षण भी कराया गया । डॉ तोमर ने बताया कि स्त्रियाँ सारे परिवार के स्वास्थ्य के लिए तो समर्पित रहतीं हैं । परन्तु अपने स्वयं के स्वास्थ्य के बारे में बहुत कम ध्यान दे पाती हैं । मेरी व्यक्तिगत सलाह है कि यदि स्त्री स्वयं स्वस्थ रहेगी तो वह अपने परिवार के स्वास्थ्य का और भी अधिक ध्यान रख सकेगी। अतः उन्हें समय से, संतुलित एवं पौष्टिक भोजन तो करना ही चाहिए। साथ ही साथ स्त्री शक्तिप्राश जैसी लाभदायक औषधि का भी सेवन नित्य करना चाहिए । इसमें मिश्रित औषधियाँ न केवल उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं पुष्ट बनाएँगी अपितु मानसिक रूप से भी सतर्क एवं मेधावी बनाने में मदद करेंगी।

क्षेत्रीय रेल हिन्दी नाटक प्रतियोगिता का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ करते हुये वरिष्ठ रेल अधिकारी

गोरखपुरः पूर्वोत्तर रेलवे राजभाषा विभाग के तत्त्वावधान में 14 अक्टूबर, 2025 को रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में क्षेत्रीय रेलवे हिन्दी नाटक

प्रतियोगिता-2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अपर मुख्य चिकित्सा निदेशक डा0 डी.के.सिंह, अध्यक्ष/रेलवे भर्ती सेल श्री राजेश कुमार गुप्ता, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री मनोज मिश्र ने माँ सरस्वती के

चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल एवं वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे। प्रतियोगिता में इज्जतनगर मण्डल की नाट्य टीम में ह्यलखनाक बियाहह्य पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय, गोरखपुर की नाट्य टीम ने शिक्षा के दबाव पर आधारित नाटक प्रेशर, लखनऊ मण्डल की नाट्य टीम ने बूढ़ी काकी तथा वाराणसी मण्डल की टीम ने भूत या भगवान नाटक का मंचन किया। स्वागत सम्बोधन करते हुये वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता ने कहा कि रेलवे बोर्ड द्वारा प्रतिवर्ष अखिल रेल हिन्दी नाट्योत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों की नाट्य टीमें भाग लेती हैं। इसी प्रयोजन से आज क्षेत्रीय रेल हिन्दी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस नाटक प्रतियोगिता के माध्यम से पूर्वोत्तर रेलवे की चयनित नाट्य टीम अखिल भारतीय रेल स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि एक सफल एवं कुशल नाटककार व्यवस्थित समाज का शिल्पकार होता है। नाटक का पात्र अपनी अभिनय कला से न केवल मनोरंजन कराता है अपितु समाज में फैली हुई विसंगतियों को दूर करने का प्रयास भी करता है। श्री गुप्ता ने आज की हिन्दी नाटक प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप मे पधारे वरिष्ठ रंगकर्मी श्री प्रदीप सुविज्ञ जी, अध्यक्ष/रेल भर्ती सेल श्री राजेश कुमार गुप्ता एवं उप मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री मनोज मिश्र जी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि निर्णायक मंडल द्वारा चयनित नाट्य टीम रेलवे बोर्ड स्तर पर आयोजित अखिल भारतीय रेल हिन्दी नाट्योत्सव में भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती अनामिका सिंह, प्रभारी/वरिष्ठ अनुवादक ने किया।

गोरखपुर स्टेशन पर बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करते हुए यात्री

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक विशेष स्वच्छता

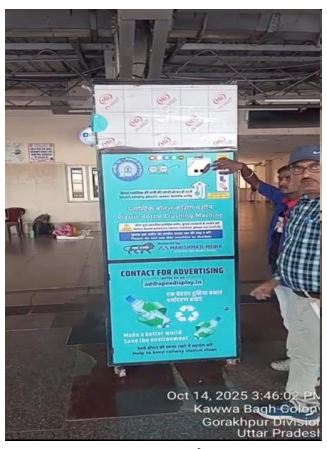

अभियान-5.0 चलाया जा रहा है।इस अभियन के अन्तर्गत 14 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों, कार्यालयों में ह्यसिंगल यूज प्लास्टिक निषेधह्य हेतु अभियान चलाकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। 14 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीन का रखरखाव और संचालन सुनिश्चित किया गया और यात्रियों को प्लास्टिक कचरे के उचित निस्तारण हेतु प्रोत्साहित किया गया। यात्रियों को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग न करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस अभियान के अन्तर्गत स्टेशनों पर प्लास्टिक का उपयोग करने वाले खाद्य स्टॉलों और ठेलों से 4900 रुपये का जुमार्ना वसूल कर रेल राजस्व में जमा किया गया। इस दौरान स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के नारे, पोस्टर एवं बैनर माध्यम से जागरूकता रैली निकाली गई। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर ह्यसिंगल यूज प्लास्टिक निषेधह्य रूप में मनाया गया, इस दौरान अधिकारियों और स्वास्थ्य निरीक्षकों ने स्टेशन परिसर और रेलवे कॉलोनियों का गहन निरीक्षण कर स्टेशनों पर यात्रियों में हरित और स्वच्छ पर्यावरण के बारे में अभियान चलाकर जागरूक किया गया। स्वच्छता के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने हेतु नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से यात्रियों और कर्मचारियों को जागरूक किया गया। इस अभियान में लगभग 130 रेलवे कर्मचारियों एवं संविदा कर्मचारियों ने भाग लिया। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान-5.0 अमृत संवाद के अंतर्गत स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों, रेलवे कर्मचारियों एवं संविदा कर्मचारियों के सहयोग से स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के नारे, पोस्टर एवं बैनर तथा स्वच्छता पर अधारित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता रैली निकाली गई। इज्जतनगर मंडल के काठगोदाम, हल्द्वानी, लालकुआं, रुद्रपुर सिटी, बरेली सिटी, पीलीभीत और कासगंज अदि प्रमुख स्टेशनों पर स्थापित प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की व्यापक समीक्षा कर मशीनों के क्रियाशीलता जाँची गई तथ स्टेशन पर यात्रियों को बोतल क्रशर मशीन के उपयोग के बारे में बताया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक के निषेध हेतु यात्रियों, कर्मचारियों, स्थानीय लोगों को प्लास्टिक से पर्यावरणीय खतरों के बारे में जागरूक कर कपड़े या जूट के थैलों जैसे टिकाऊ विकल्पों के उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। ह्यसिंगल यूज प्लास्टिक को ना कहेंह्य जैसे संदेशों वाले पोस्टर, बैनर और डिजिटल डिस्प्ले प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए। इस दौरान 200 पुनः प्रयोज्य कैरी बैग यात्रियों को वितरित किए गए। प्लास्टिक के कचड़े को एकत्र करने हेतु अभियान चलाया गया।

एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 09429/09430 गोरखपुर-साबरमती-गोरखपुर अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी साबरमती से 16 से 26 अक्टूबर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार, शुक्रवार एवं रविवार को तथा गोरखपुर से 17 से 27 अक्टूबर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार एवं सोमवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 09429 साबरमती-गोरखपुर अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 16 से 26 अक्टूबर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार, शुक्रवार एवं रविवार को साबरमती से 08.50 बजे प्रस्थान कर महेसाना से 09.37 बजे, पालनपुर से 11.00 बजे, आबूरोड से 11.40 बजे, मारवाड़ से 14.05 बजे, अजमेर से 16.10 बजे, जयपुर से 18.00 बजे, गांधी नगर जयपुर से 18.10 बजे, दौसा से 18.53 बजे, बाँदीकुई से 19.37 बजे, भरतपुर से 21.15 बजे, ईदगाह आगरा से 22.05 बजे, टूण्डला से 23.35 बजे, दूसरे दिन इटावा से 00.27 बजे, गोविन्दपुरी से 03.10 बजे, उन्नाव से 03.32 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 04.40 बजे, बाराबंकी से 05.12 बजे, गोंडा से 07.10 बजे, मनकापुर से 07.32 बजे तथा बस्ती से 08.37 बजे छूटकर गोरखपुर 10.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 09430 गोरखपुर-साबरमती अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 17 से 27 अक्टूबर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार एवं सोमवार को गोरखपुर से 13.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 14.12 बजे, मनकापुर से 15.10 बजे, गोंडा से 15.45 बजे, बाराबंकी से 17.07 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 18.00 बजे, उन्नाव से 18.57 बजे, गोविन्दपुरी से 19.50 बजे, इटावा से 22.27 बजे, टूण्डला से 23.35 बजे, दूसरे दिन ईदगाह आगरा से 00.45 बजे, भरतपुर से 01.40 बजे, बाँदीकुई से 04.02 बजे, दौसा से 04.22 बजे, गांधी नगर जयपुर से 04.57 बजे, जयपुर से 05.20 बजे, अजमेर से 07.20 बजे, मारवाड़ से 08.15 बजे, आबूरोड से 11.10 बजे, पालनपुर से 13.02 बजे तथा महेसाना से 13.57 बजे छूटकर साबरमती 15.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी/सामान्य द्वितीय श्रेणी/सामान्य द्वितीय श्रेणी कुसीर्यान के 18 तथा एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। यह सभी कोच अनारक्षित श्रेणी के होंगे।

पौधा उखाड़ने के विवाद में मारपीट

रुधौली (बस्ती)। थानाक्षेत्र के ग्राम धन्सा में सहजन का पौधा उखाड़ने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। बात बढ़ने पर विपक्षी पक्ष ने गाली-गलौज करते हुए घर में घुसकर हमला कर दिया। आरोप है कि विपक्षियों ने हंसिया से वार कर चंद्र प्रकाश को घायल कर दिया। घटना 22 जुलाई की सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है। पीड़ित चंद्र प्रकाश ने तहरीर में बताया कि गांव के शिवशंकर पौधा उखाड़े जाने की बात पर गालियां दे रहे थे। जब उनके पिता ने मना किया तो शिवशंकर ने उनका गला पकड़ लिया। बीच-बचाव करने पहुंचे परिजन पर भी हमला कर दिया गया।

पीएम श्री विद्यालय देवमी में विकसित भारत बिल्डथान का आयोजन

महादेवा। बनकटी के पीएम श्री कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय देवमी में सोमवार को विकसित भारत बिल्डथान-2025 कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसका उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार यादव ने डॉ. अनिल कुमार मौर्य, ग्राम प्रधान राजेंद्र प्रसाद चौधरी, प्रधानाध्यापक मोहम्मद इकबाल और प्रबंध समिति अध्यक्ष रंजना देवी के साथ माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया। बच्चों ने आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत और वोकल फॉर लोकल पर रंगोली व प्रोजेक्ट प्रदर्शनी प्रस्तुत की।

सुलगती बीड़ी से बिस्तर में लगी आग

कानपुर। बिधनू थानाक्षेत्र के कठारा गांव में सोमवार देर रात सुलगती बीड़ी से

लगी आग में चलने-फिरने में असमर्थ बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग इतनी भीषण थी कि पड़ोसी उन्हें बचा नहीं सके। कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात कठारा गांव में एक हृदयविदारक घटना हुई।यहांबिस्तर पर सुलगती बीड़ी से लगी आग में चलनेझ्फिरने में असमर्थ बुजुर्ग जिंदा जल गए। पड़ोसियों के अनुसार बुजुर्ग के चीखने पर वह लोग दौड़े, लेकिन आग की विकराल लपटों के सामने घर के अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके। करीब एक घंटे बाद आग बुझाकर ग्रामीण घर के अंदर पहुंचे, तो बुजुर्ग का जला शव पड़ा मिला। जानकारी पर बिधनू पुलिस फॉरेंसिक टीम ने जांच की। इसके बाद शव पोस्टमार्टम भेज दिया। उक्त गांव निवासी अरविंद कुमार ने बताया कि उनके पिता गंगाप्रसाद (90) किसान थे। तकरीबन एक साल से सांस व घुटनों की बीमारी से परेशान होने के कारण चलनेझ्फिरने में असमर्थ थे। उन्होंने बताया कि वह पांच भाई सुरेंद्र, वीरेंद्र, सत्येंद्र व रवि है। सब भाई अपनेझ्अपने परिवार के साथ घर से कुछ दूरी पर रहते हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बताया कि मां शिवरानी की 10 साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी, जिसके बाद पिता अकेले रहते थे। बताया कि पिता बीड़ी पीते थे, सोमवार देर रात बीड़ी पीने के बाद वह सो गए। इसके बाद सुलगती बीड़ी ने बिस्तर में आग पकड़ ली। कुछ देर बाद लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। पिता बिस्तर पर छटपटाते रहे, आग की ऊंची लपटें उठती देख पड़ोसी मुंशीलाल ने अरविंद को सूचना दी। बताया की आपके कारण गृहस्थी का अन्य सामान भी पूरी तरह से जल गया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त खबरें

एक्सईएन व जेई के खिलाफ डीएम से शिकायत

बस्ती। वाल्टरगंज थाना के पुर्सिया निवासी धनंजय सिंह ने सोमवार को डीएम को प्रार्थना पत्र देकर एक्सईएन तृतीय और स्थानीय जेई के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की मांग की। पत्र में आरोप लगाया है कि जेई और एक्सईएन की मिलीभगत से मकदा गांव में बिजली चोरी हो रही है। कई बार शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं की जा रही। साथ ही ग्राहकों को गलत बिल देकर गुमराह किया जा रहा है।

1008 दीपों से जगमग होगा पोखरिया धाम

मानिकचंद। चमनगंज बड़कुईया स्थित श्री दुर्गा पूजा स्थल सेवा संस्था, पोखरिया धाम के तत्वावधान में दीपावली पर्व पर भव्य दीपोत्सव आयोजित किया जाएगा। संस्था के पदाधिकारियों की बैठक में इस बार दुर्गा मंदिर एवं शिव मंदिर परिसर में 1008 दीपक जलाकर उत्सव मनाने का निर्णय लिया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि दीपों की लौ से पूरा पोखरिया धाम जगमग होगा और धार्मिक माहौल में भक्ति व उल्लास का संगम देखने को मिलेगा। मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत झालरों और पुष्पों से सजाने की भी तैयारी की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता राजमणि चौधरी ने की। इस अवसर पर मनमोहन त्रिपाठी (जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय बजरंग दल), राम विलास शर्मा, शिव दास चौधरी, सोमनाथ मौर्य, अनिल कन्नौजिया (पूर्व प्रधान), तारकेश्वर प्रजापति, धर्मेन्द्र यदुवंशी, अमित मिश्रा, लालचंद्र मौर्या, अतुल यादव, महातम चौधरी, प्रमोद तिवारी, राजन तिवारी, जवाहिर लाल, शिवम यादव, सुधीर चौधरी, सियाराम वर्मा, कुलदीप चौधरी, संदीप यादव और सुभाष चौरसिया आदि मौजूद रहे।

71 पंचायत सहायकों व पंचायत सचिवों को दी गई ट्रेनिंग

बस्ती। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत पंचायती राज विभाग की ओर से सीएससी सर्विस प्लस एवं ई-डिस्ट्रिक्ट के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सोमवार को मिश्रौलिया स्थित केपीएस परिसर में दुबौलिया ब्लॉक के 71 पंचायत सहायकों और पंचायत सचिवों को कार्य के तौर-तरीके बताए गए। डीपीआरओ घनश्याम सागर ने यह प्रशिक्षण सरकार की मंशा के अनुरूप पंचायत सचिवों और पंचायत सहायकों को तकनीकी दक्षता से लैस करने का सुनहरा अवसर है। बताया कि जिले के 14 ब्लॉकों के समस्त पंचायत सहायकों और सचिवों को यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंगलवार को दूसरे दिन भी दुबौलिया ब्लॉक के 71 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

समाजवादी चिंतक बृजभूषण तिवारी को जन्मदिन पर याद किया

बस्ती। समाजवादी चिंतक और पूर्व सांसद बृजभूषण तिवारी को उनके 84वें जन्मदिन पर सोमवार को सपा कार्यालय में याद किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके संघर्ष, सादगी और समाजवादी योगदान को रेखांकित किया। जिलाध्यक्ष एवं विधायक महेंद्रनाथ यादव ने कहा कि बृजभूषण तिवारी छात्र जीवन से ही डॉ. राममनोहर लोहिया के निकट रहे और समाजवादी विचारधारा के प्रचार में जीवन समर्पित किया। उनकी सादगी और जनता के प्रति समर्पण आज भी लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। पूर्व विधायक राजमणि पांडेय, विधायक राजेंद्र प्रसाद चौधरी, कविंद्र चौधरी ह्यअतुलह्ल, राजाराम यादव, डॉ. राम प्रकाश सुमन, रिंटू यादव, जगदीश यादव और अन्य सपा नेता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर में जांची गई 92 मरीजों की सेहत

बस्ती। दक्षिण दरवाजा स्थित अस्पताल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बॉडी कंपोजिशन एनालाइजर के जरिये शरीर की संरचना की जांच, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर और हड्डी की जांच बीएमडी मशीन से की गई। जांच के बाद मुफ्त परामर्श भी दिया गया। ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. एआर खान ने 92 मरीजों की सेहत जांची और परामर्श दिया। लाभार्थियों द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के आयोजन आज के समय की जरूरत है।

स्कूटी सवार ने मारी टक्कर, युवक गंभीर रूप से घायल

दुबौलिया। थाना क्षेत्र के रामजानकी मार्ग पर सैनिया चौराहे के पास लारा मोड़ पर सोमवार को स्कूटी सवार ने पैदल चल रहे युवक को टक्कर मार दी। युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी कलवारी पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, स्कूटी सवार अशोक कुमार (30) निवासी दुमकीपुर सैफाबाद, थाना कलवारी रिश्तेदारी में जा रहे थे। लारा मोड़ के पास पैदल जा रहे संत कुमार (32) निवासी ऊंजी स्कूटी की चपेट में आ गए। संत कुमार के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गए। लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और एंबुलेंस से सीएचसी भिजवाया। स्कूटी सवार अशोक कुमार को भी प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस ने चिकित्सकीय जांच के लिए सीएचसी कलवारी भेजा।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, महिला घायल

महराजगंज (बस्ती)। हरैया थाना क्षेत्र के खैरी ओझा गांव के पास एनएच-28 पर सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को पीछे से टक्कर मार दी। कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में कार सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि अन्य दो लोग बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार, अयोध्या जिले के तारुन थानाक्षेत्र के चक्रसेनपुर निवासी ओंकार सिंह (43) अपनी पत्नी अंजू सिंह (40) और माता सावित्री देवी (70) के साथ रिश्तेदारी से लौट रहे थे। खैरी ओझा गांव के पास ट्रक ने कार में ठोकर मार दी। कार का अगला टायर फट गया और गाड़ी घूमते हुए डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में अंजू सिंह की पीठ में गंभीर चोटें आईं। ओंकार सिंह और उनकी मां सावित्री देवी बच गईं। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस से घायल महिला को सीएचसी कप्तानगंज भिजवाया। घटना के बाद ट्रक चालक भाग गया। पुलिस ट्रक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और वाहन के अवशेषों के आधार पर ट्रक की पहचान की जा रही है।

दो साल बाद भी नहीं हो पाई पुलिया के नीचे मिले शव की शिनाख्त

दुबौलिया। गोकुलपुर नहर पुलिया के नीचे 3 सितंबर 2023 को मिले शव की शिनाख्त अब तक नहीं हो पाई है। नहर के पानी में शव मिलने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को बाहर निकाला। शुरूआती पंचनामा में शव महिला का बताया गया, लेकिन 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम में शव पुरुष का निकला। शव के बाल लंबे थे और वह साधू जैसे प्रतीत हो रहा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि गले में रस्सी के तीन चक्कर कसकर डाले गए थे, जिससे गले की हड्डियां टूट गई थीं और जुबान नीचे दब गई थी। पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए आसपास के जिलों अयोध्या, गोंडा और अंबेडकरनगर में खोजबीन की। सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक और रेलवे स्टेशनों पर पंपलेट चस्पा किए गए। अयोध्या के मंदिरों और हनुमानगढ़ी सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी संपर्क किया गया।

चार महीने बाद लंदन से भारत आए विराट कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब वह दिल्ली एयरपोर्ट से बाहर निकले तो फैन्स ने उनका नाम पुकारते हुए सेल्फी की मांग की, लेकिन कोहली को जल्दी से अपनी कार में बैठाकर रवाना कर दिया गया। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली मंगलवार सुबह भारत लौट आए। वे आगामी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए दिल्ली पहुंचे। कोहली ने चार महीने बाद भारतीय सरजमीं पर कदम रखा। उन्होंने जून में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (फ्छड) को उनका पहला आईपीएल खिताब दिलाने के बाद लंदन रुख किया था, जहां वे पत्नी अनुष्का शर्मा और अपने दो बच्चों के साथ रह रहे थे। काली दाढ़ी और नए लुक में दिखे कोहली सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कोहली काले रंग से डाई की गई दाढ़ी में नजर आए। जब वह दिल्ली एयरपोर्ट से बाहर निकले तो फैन्स ने उनका नाम पुकारते हुए सेल्फी की मांग की, लेकिन कोहली को जल्दी से अपनी कार में बैठाकर रवाना कर दिया गया।

दीपावली के दृष्टिगत नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा

दीपावली पर 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश

लखनऊ (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं छठ पूजा जैसे महत्वपूर्ण पर्वों के दृष्टिगत कैंप ऑफिस से वर्चुअल समीक्षा बैठक कर ऊर्जा एवं नगर विकास विभाग के तैयारियों की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने पूरे प्रदेश में नागरिकों को 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए अधिकारियों को पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि दीपावली पर्व के दौरान 24 घंटे निरंतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जाए। त्योहारों के समय बिजली कटौती से जनसामान्य को असुविधा न हो, सभी स्तरों पर विद्युत व्यवस्था की गहन मॉनिटरिंग की जाए।मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली मिले, इसके लिए लो वोल्टेज एवं बार-बार शटडाउन की समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाए।हाल के दिनों में लटकते तारों एवं ढीले कनेक्शनों के कारण हुई दुर्घटनाओं पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की। जन सुरक्षा सर्वोपरि है, वितरण खंडों में इस पर तत्काल कार्रवाई की जाए।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी इमरजेंसी या आकस्मिक कारणों से विद्युत कटौती करनी पड़े तो स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को तुरंत सूचित किया जाए।बैठक में मंत्री ने उन नगरीय क्षेत्रों का भी उल्लेख किया जहां अभी तक विद्युत आपूर्ति ग्रामीण फीडर से की जा रही है। उन्होंने इसे अत्यंत गंभीर विषय बताते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में नगरीय फीडर से आपूर्ति सुनिश्चित करने की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ की जाए। श्री शर्मा ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखी जाए, सड़कों के गड्ढे तुरंत भरे जाएं, तथा बाजार, फल मंडी और सब्जी मंडी जैसे भीड़-भाड़ वाले इलाकों में दिन में तीन बार सफाई सुनिश्चित की जाए।उन्होंने निर्देश दिए कि छठ पूजा से संबंधित सभी मार्गों का समतलीकरण किया जाए तथा घाटों व रास्तों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। लखनऊ के अधिकांश स्थानों पर स्ट्रीट लाइट बंद होने की घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि त्योहारों के समय पूरे प्रदेश में कहीं भी स्ट्रीट लाइट बंद होने की स्थिति में संबंधित नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारी जिम्मेदार होंगे। वर्षा के बाद संचारी रोगों के प्रसार को रोकने हेतु फॉगिंग, एंटी लार्वा स्प्रे और चूने का छिड़काव नियमित रूप से किया जाए। जहां कहीं भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है, वहां तुरंत जल निकासी की व्यवस्था की जाए,साथ ही प्रतिबंधित पॉलीथिन और अवैध होर्डिंग हटाने के लिए अभियान चलाया जाए। त्योहारों के समय रेहड़ी व ठेला लगाने वाले छोटे व्यापारियों को आजीविका के अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के नाम पर इन्हें हटाया न जाए। दीपावली, छठ पर्व की अवधि में अधिकारी मुख्यालय न छोड़े।

यूपी के हर जिले में गायों के लिए घर बनाएगी योगी सरकार, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश की आवारा गायों की समस्या और ग्रामीण रोजगार को एक साथ हल करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार हर जिले में एक आदर्श गौशाला की स्थापना करेगी, जिसे

काऊ टूरिज्म सेंटर के रूप में भी विकसित किया जाएगा। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह के अनुसार, इन आधुनिक गौशालाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।इसमें गोबर, गोमूत्र, दूध और घी जैसे उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग शामिल होगा। गौशालाओं में उत्पादों के निर्माण व विपणन (मार्केटिंग) के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को जोड़ा जाएगा। इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि स्थानीय उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने दीपावली पर गोबर से बने दीयों, मूर्तियों और सजावटी वस्तुओं को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिससे स्थानीय उत्पादों की मांग और बिक्री बढ़े। इन आदर्श गौशालाओं से आवारा गायों को आश्रय मिलेगा, जिससे न केवल सड़कों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि आमजन को भी राहत मिलेगी।

सपा महिला सभा के राष्ट्रीय सचिव पद से हटाई गई मुस्कान

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी ने महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव मुस्कान मिश्रा को पद से हटा दिया है। महिला सभा की अध्यक्ष जूही सिंह ने आदेश जारी कर दिया है। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों सपा नेता मुस्कान मिश्रा अयोध्या के महंत राजू दास से मिली थीं। मुस्कान की इस मुलाकात को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किया जा रहा है। माना जा रहा है कि इसी के चलते उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गयी है। अयोध्या के महंत राजू दास सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और संरक्षक मुलायम सिंह यादव के खिलाफ बयान देकर चर्चा में आए थे।मुस्कान मिश्रा को हटाये जाने को लेकर समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह की ओर से जारी किये गये आदेश में कहा गया है कि मुस्कान मिश्रा को सपा महिला सभा के राष्ट्रीय सचिव पद से मुक्त किया जाता है। नेताजी हम सभी के लिए प्रेरणा थे और रहेंगे। जूही सिंह का यह कहना है कि मुस्कान मिश्रा की जल्द ही शादी होने वाली है इसलिए स्वयं उन्होंने ही पद के दायित्व से मुक्त करने का निवेदन किया था। वे केवल पद से हटायी गयी हैं। वह अभी भी सपा की सदस्य हैं।

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के 10वें दीक्षांत समारोह

लखनऊ (संवाददाता)। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के 10वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को विवि की एआई लैब में बनी श्रीराम की मूर्ति भेंट की गई। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कुलपति अजय तनेजा, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, फिल्म निमार्ता फैशन डिजाइनर मुजफ्फर अली भी शामिल हुए। दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अनुमति के बाद हुई। कुलपति अजय तनेजा ने छात्र-छात्राओं को दीक्षा दी। उसके बाद राज्यपाल ने 1424 स्टूडेंट्स की डिग्रियां डिजी लॉकर पर अपलोड कीं। समारोह में 146 पदक में से 127 पदक छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए।47 छात्र और 99 छात्राओं को पदक दिए गए। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया इस बार दो नए मेडल डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक और इतिहास में रामपति देवी स्वर्ण पदक भी शामिल किए गए हैं। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने स्टूडेंट्स से कहा आप सबके लिए कुछ मुश्किल नहीं है। आपने जो सपने देखे हों उन्हें पूरा करने के लिए खरा उतरिए। श्रीरामचरितमानस की चौपाई भी पढ़ी-कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं। रहमाना ने कहा जेआरएफ की तैयारी करनी है। उर्दू, अरबी फारसी, कला एवं मानविकी संकाय और बीए उर्दू में प्रथम आने पर मुझे तीन स्वर्ण पद मिले। वाइस चांसलर मेडल पाने वाले धर्मेश यादव ने कहा स्नातक स्तर पर सभी संकाय में प्रथम, विज्ञान संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने व बीएससी-रसायन में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिले। पिता बृजकिशोर यादव किसान और मां मनोरमा देवी गृहणी हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर बनना है। अपूर्व द्विवेदी को तीन गोल्ड मेडल मिले। उन्होंने बताया- अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय और बीटेक में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिलेंगे। आईआईटी से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। मुझे इंजीनियर बनना है। जीएटीई की क्लासेस रेगुलर चलेगी तो बहुत फायदा होगा। तनु प्रिया ने बताया स्नातक में सामाजिक विज्ञान और बीएड में पहला स्थान मिलने पर दो स्वर्ण पदक मिले। पिता बजूनाथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर और मां सुभाषिनी गृहणी हैं। मुझे फ्यूचर में एकेडमिक में ही रहना है। मेरा लक्ष्य प्रोफेसर बनना है। अदीबा अंजुम ने बताया एमए अरेबिक में गोल्ड मेडल मिला।

जीआरपी ने बच्चा चोर गिरोह का किया पदार्फाश,तीन अपहरणकर्ता गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ जीआरपी चारबाग और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने 6 वर्षीय बालिका के अपहरण की घटना का खुलासा करते हुए महज 24 घंटे के भीतर बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। टीम ने तीन अपहरणकताओं को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई रेलवे स्टेशन लखनऊ जंक्शन (एनआर) से बच्ची के अपहरण की शिकायत के बाद शुरू की गई थी। जीआरपी की यह कार्रवाई अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे और पुलिस महानिरीक्षक रेलवे के निर्देश पर की गई। रेलवे लखनऊ के पुलिस अधीक्षक रोहित मिश्र के निर्देशन में सुरक्षा व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह सफलता हासिल की गई। उप निरीक्षक धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने सर्विलांस और खुफिया इनपुट के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई। जीआरपी चारबाग थाने की टीम ने 14 अक्टूबर की सुबह करीब 3 बजे के आसपास अपहरण के आरोप में तीन लोगों जिनमें महाराजगंज के आमिर , बलरामपुर की शांति देवी और कंचन गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी कैसरबाग वर्कशॉप आलमबाग के पास से की गई। सभी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अपहरणकताओं से 6 वर्षीय बालिका को सकुशल बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि बच्ची को बहलाने-फुसलाने के बाद रेलवे स्टेशन से अगवा किया गया था। आरोपी बच्चों को ऐसे भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड से निशाना बनाते हैं ।

फेदरलाइट ने लखनऊ में शुरू किया पहला एक्सक्लूसिव एजुकेशन फर्नीचर एक्सपीरियंस सेंटर

लखनऊ (संवाददाता)। भारत में कार्यस्थल और शिक्षा फर्नीचर समाधान के क्षेत्र में अग्रणी और विश्वसनीय नामों में से एक फेदरलाइट ने आज लखनऊ में अपने पहले एक्सक्लूसिव एजुकेशन फर्नीचर एक्सपीरियंस सेंटर का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया। इस सेंटर को शिक्षकों, प्रशासकों और प्रोक्योरमेंट टीमों को आधुनिक शिक्षा फर्नीचर समाधानों के बारे में जानने के लिए एक व्यावहारिक वातावरण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तेजकुमार प्लाजा, 75 हजरतगंज 226001 के द्वितीय तल पर स्थित यह एक्सपीरियंस सेंटर फेदरलाइट की शिक्षा क्षेत्र के लिए समर्पित नवीनतम रेंज को प्रदर्शित करता है- जिसमें तकनीक-सक्षम क्लासरूम फर्नीचर और गतिशील और सहभागितापूर्ण शिक्षण व्यवस्था, प्रयोगशाला बेंच, लाइब्रेरी सिस्टम, ऑडिटोरियम सीटिंग, और टिकाऊ हॉस्टल फर्नीचर शामिल हैं। प्रत्येक उत्पाद को आराम, कार्यक्षमता और दीर्घकालिक प्रदर्शन को बढ़ाने के उद्देश्य से इस तरह डिजाइन किया गया है, ताकि आधुनिक कॉलेज और विश्वविद्यालय लचीले एवं प्रेरक शिक्षण वातावरण का निर्माण कर सकें। इस सेंटर में निर्णयकर्ता वास्तविक क्लासरूम सेटअप का अनुभव कर सकते है, एर्गोनॉमिक्स और टिकाऊपन की जांच कर सकते है तथा यह समझने का अवसर प्रदान करते है कि किस प्रकार नवीन फर्नीचर समाधान शिक्षण परिणामों को बेहतर बना सकते हैं। सेंटर का उद्घाटन मुख्य अतिथि विशाल सिंह, विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार एवं निदेशक, सूचना एवं संस्कृति विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके साथ अदित जशनानी, निदेशक, मोमेंटम टेकसिस प्राइवेट लिमिटेड तथा कश्वी जशनानी, निदेशक, मोमेंटम टेकसिस प्राइवेट लिमिटेड भी उपस्थित रहे। उद्घाटन के अवसर पर श्री ज्ञानेंद्र सिंह परिहार, बिजनेस हेड द्द फेदरलाइट ने कहा, अपने नए एक्सपीरियंस सेंटर के माध्यम से हमारा उद्देश्य लखनऊ और पूरे उत्तर प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे उच्च शिक्षा तंत्र को और बेहतर सेवाएं प्रदान करना है। हम कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रशासकों, आर्किटेक्ट्स, कैंपस प्लानर्स और संस्थागत निर्णयकताओं को आमंत्रित करते हैं ।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने लक्ष्मण मेला मैदान में किया निरीक्षण

लखनऊ (संवाददाता)। आगामी छठ पूजा को लेकर राजधानी लखनऊ में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में मंगलवार को महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल जी ने लक्ष्मण मेला मैदान का निरीक्षण किया। उन्होंने छठ घाट पर सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान महापौर ने स्वयं झाड़ू लगाकर सफाई अभियान की शुरूआत की और नगर निगम कर्मियों के साथ सफाई कार्य में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि छठ पूजा केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि स्वच्छता और सामूहिक सहयोग की भावना का प्रतीक भी है। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे स्वच्छता में सक्रिय योगदान दें ताकि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय नगर निगम के सफाई मित्रगण, तथा भोजपुरी समाज के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने मिलकर मैदान में चल रहे सफाई कार्यों में सहयोग दिया और छठ पूजा की तैयारियों को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

बड़े घोटाले की आशंका: निजीकरण का निर्णय निरस्त की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के मामले में बड़े घोटाले की आशंका को देखते हुए विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी से निजीकरण के सारे प्रकरण में सीबीआई जांच की मांग की है और कहा है कि निजीकरण का निर्णय प्रदेश के व्यापक हित में तत्काल निरस्त किया जाए। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा दीपावाली के पूर्व 15 लाख राज्य कर्मचारियों को बोनस देने की घोषणा का स्वागत करते हुए संघर्ष समिति ने मांग की है कि दीपावली पर रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में लगे बिजली कर्मियों को भी दीपावली के पूर्व बोनस दिया जाय। संघर्ष समिति के केन्द्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि निजीकरण के मामले में प्रारंभ में ही जिस प्रकार अवैध ढंग से ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट की नियुक्ति की गई उससे बड़े घोटाले की आशंका बलवती हो गई थी। संघर्ष समिति ने आज ऐसे पांच बिंदुओं को सार्वजनिक करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मांग की है कि उत्तर प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति को देखते हुए निजीकरण के सारे मामले की तत्काल सीबीआई जांच कराई जाए और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण की प्रक्रिया निरस्त की जाय। संघर्ष समिति ने कहा कि पहला बिंदु विगत वर्ष नवंबर में लखनऊ में विद्युत वितरण निगमों की डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी मीट 2024 का आयोजन है जिसमें निजी घरानों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की थी और कार्यक्रम को स्पॉन्सर भी किया था। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण की पृष्ठभूमि इसी डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी मीट में तैयार की गई थी। इस मीटिंग में देश के इतिहास में पहली बार शीर्ष प्रबंधन द्वारा आल इंडिया डिस्कॉम एसोशिएशन बनाई गई। उप्र में निजीकरण को अंजाम देने के दृष्टिकोण से उप्र पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉक्टर आशीष गोयल को इसी मीटिंग में ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोशिएशन का जनरल सेक्रेटरी बनाया गया और उप्र में ग्रेटर नोएडा में काम कर रही निजी कम्पनी एन पी सी एल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी आर कुमार की डिस्कॉम एसोशिएशन का ट्रेजरार बनाया गया।

पॉलीथिन व गंदगी फैलाने वालों पर 1.80 लाख का जुमार्ना

लखनऊ (संवाददाता)। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर मंगलवार को नगर निगम लखनऊ द्वारा जोन-8 क्षेत्र में प्रतिबंधित पॉलीथिन के विक्रय और गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई जोनल अधिकारी अजीत राय के निर्देश पर सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सुमित मिश्रा और श्रीमती आकांक्षा गोस्वामी के नेतृत्व में की गई, जिसमें ईटीएफ सहित कुल 296 सदस्यीय टीम शामिल रही। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाना था। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने मुख्य बंगला बाजार में छापेमारी करते हुए कई दुकानदारों को प्रतिबंधित पॉलीथिन बेचते हुए पकड़ा। इनमें श्री विकास दीप गुप्ता, श्री दिनेश कुमार और श्री राकेश गुप्ता शामिल थे। नियमों के उल्लंघन पर तीनों के विरुद्ध क्रमशः 10,000, 20,000 और 40,000 का जुमार्ना अधिरोपित किया गया।इसी क्रम में टीम ने सेक्टर-12, वृंदावन योजना में भी निरीक्षण किया। यहां श्री लकी गुप्ता को प्रतिबंधित पॉलीथिन बेचते हुए पकड़ा गया। नियमों के उल्लंघन पर उन पर 1,10,000 का भारी जुमार्ना लगाया गया। अभियान के दौरान कुल 40 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई और द्द1,80,000 का शमन शुल्क वसूल किया गया। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान एक दिन का नहीं, बल्कि लगातार चलने वाली कार्रवाई है। भविष्य में भी ऐसे अभियानों को नियमित रूप से संचालित किया जाएगा ताकि शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त रखा जा सके।नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार ने बताया कि लखनऊ नगर निगम स्वच्छता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है बल्कि नालियों के जाम होने और जलभराव जैसी समस्याओं का भी प्रमुख कारण है।इसलिए नगर निगम इसका पूर्ण उन्मूलन सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठा रहा है।नगर निगम लखनऊ ने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग या विक्रय न करें। इसके स्थान पर पर्यावरण अनुकूल थैलों कृ जैसे कपड़े या जूट के बैग कृ का प्रयोग करें। साथ ही अपने आस-पास की सफाई व्यवस्था बनाए रखें और गंदगी फैलाने से बचें।अधिकारियों ने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध जुमार्ने और कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

बाइक से पटाखा ले जा रहे जीजा-साले की विस्फोट से मौत, शरीर के चीथड़े उड़े

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बाइक से पटाखा ले जा रहे जीजा-साले की विस्फोट से मौत हो गई। रास्ते में गाय से टकराने पर बाइक बेकाबू होकर पलट गई। उसके बाद पटाखों में जोरदार धमाका हुआ। इसमें जीजा के चीथड़े उड़ गए। गाय की भी मौत हो गई। वहीं, साला गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया- धमाका इतना तेज था कि आसपास के लोग सहम गए। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाई गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मामला गोसाईंगंज थाना क्षेत्र का है। मृतकों की पहचान हरदोई के जन गांव पट्ध्टी में रहने वाले सुहेल और मातन टोला थाना गोसाईंगंज निवासी मोहम्मद अहमद के रूप में हुई। सुहेल, मोहम्मद अहमद का साला था। मोहम्मद अहमद चूड़ी और कॉस्मेटिक सामान की दुकान करता था। दिवाली पर पटाखा बेचता था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाका बहुत तेज था। धमाके की वजह से एक युवक के शरीर के चीथड़े उड़ गए। उसका बायां पैर कट गया। उसे चादर में भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाना पड़ा। बाइक भी पूरी तरह से जल गई। लोगों ने बताया- इतना बड़ा हादसा होने से यह साफ है कि युवक भारी मात्रा में पटाखा ले जा रहे थे। मोहनलालगंज एसडीएम पवन पटेल मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों से घटना के बारे में जानकारी हासिल की। प्रत्यक्षदर्शी किशोरी लाल पटेल ने बताया दोपहर करीब 3.15 बजे हादसा हुआ। गाय सड़क पर अचानक आ गई। बाइक सवार 2 युवक उससे टकरा गए। उसके बाद विस्फोट हुआ, जिसमें दोनों की मौत हो गई। दोनों युवक बाइक से मरखापुर बारात जा रहे थे। वहीं, पुलिस का कहना है कि मरखापुर में पता किया गया, लेकिन वहां से न तो कोई बारात आई थी और न ही जा रही थी। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दोनों पटाखे की खेप लेकर कहां जा रहे थे। चचेरे भाई अकील अहमद ने बताया- मोहम्मद अहमद चूड़ी और कॉस्मेटिक सामान की दुकान करते थे। दिवाली पर 7-8 साल से लाइसेंस बनवाकर पटाखा की दुकान लगाते थे। आज कहीं माल ले जा रहे थे। उसी दौरान हादसा हुआ।

संक्षिप्त खबरें

दिवाली से पहले राजधानी में फैली गंदगी,नगर आयुक्त को गंदी मिलीं गलियां-सड़कें

लखनऊ (संवाददाता)। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मंगलवार को जोन-6 के चौक काली जी वार्ड में स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सराय माली खान रोड, अब्दुल अजीज रोड, टंडन जी फव्वारा और अखबारी गेट ढाल पर सफाई में लापरवाही पाई गई। कई स्थानों पर कूड़े के ढेर और कंस्ट्रक्शन और डिमोलिशन वेस्ट (सी-डी) मिला। नगर आयुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए सैनिटेशन इंस्पेक्टर (एसएफआई) का वेतन रोकने और कार्यदाई संस्था बालाजी ट्रेडर्स पर 5,000 रुपए का जुमार्ना लगाने का निर्देश दिया। सी-डी) वेस्ट के लिए नगर अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा गया। इसके अलावा, विक्टोरिया स्ट्रीट पर अपर्याप्त सफाई के कारण एलएसए संस्था पर 10,000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। नगर आयुक्त ने डोर-टु-डोर कचरा कलेक्शन (डी2डी) को समयबद्ध और प्रभावी बनाने के साथ-साथ सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त न करने की चेतावनी दी। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को नियमित फीडबैक लेकर सफाई व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करने और संविदा संस्थाओं के प्रदर्शन को मानकों के अनुरूप रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पार्षद अनुराग मिश्रा अन्नू, जोनल अधिकारी मनोज यादव और नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ लखनऊ अभियान के तहत प्रत्येक वार्ड की दैनिक समीक्षा की जा रही है और लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई होगी।

दिवाली की छुट्टियों की घोषणा, कई दिन स्कूल बंद

लखनऊ (संवाददाता)। दिवाली का त्योहार आते ही देशभर में खुशी और रोशनी का माहौल बन जाता है। मिठाइयों की महक, सजावट और बाजारों की चकाचौंध इस समय को विशेष बनाती है। इस बार छात्रों के लिए अच्छी खबर है क्योंकि कई राज्यों में दिवाली के अवसर पर स्कूलों में छुट्टियाँ घोषित की गई हैं। दिवाली के अवसर पर स्कूलों में कई दिनों की छुट्टियाँ दी गई हैं। इस कारण बच्चे और उनके माता-पिता पहले से ही त्योहार की तैयारियों में जुट गए हैं। उत्तर प्रदेश में,ल छुट्टियों की सूची के अनुसार, 20, 22 और 23 अक्टूबर को क्रमशः दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज की छुट्टियाँ घोषित की गई हैं। 19 अक्टूबर को रविवार है इसलिए छात्रों को चार दिन की दिवाली की छुट्टी मिलेगी। 2025 में दिवाली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी। कार्तिक अमावस्या तिथि 20 अक्टूबर की दोपहर से शुरू होकर 21 अक्टूबर की शाम को समाप्त होगी। लक्ष्मी पूजा का शुभ समय शाम के प्रदोष काल के दौरान पड़ता है, जिससे 20 अक्टूबर दिवाली समारोह का मुख्य दिन बन जाता है।

समस्याओं पर समाधान का ऊर्जा मंत्री का मिला आश्वाशन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा,संविदा कर्मचारी संघ लखनऊ का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खालिद की अध्यक्षता में उर्जा मंत्री एके शर्मा से मुलाकात कर पावर कार्पोरेशन प्रबंधन द्वारा 2017 के अपने स्वयं के आदेश का उल्लंघन कर लगभग 25 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों कि छटनी करने,55 वर्ष का हवाला देकर अनुभवी कर्मचारियों को कार्य से हटाने, वर्तमान व्यवस्था के स्थान पर वर्टिकल व्यवस्था लागू करने, सुधार के नाम पर बाराबंकी जनपद से लगभग 13 करोड़ बचाने के उद्देश्य से 350 कर्मचारियों को कार्य से हटाने और हटाए गए कर्मचारियों के कारण उत्पन्न बिजली संकट को दूर करने के लिए लगभग 13 करोड़ के स्थान पर लगभग 55 करोड़ का एलओआई जारी करने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। उर्जा मंत्री ने पावर कार्पोरेशन प्रबन्धन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दिपावली पर्व के बाद अपनी उपस्थिति में पावर कार्पोरेशन प्रबन्धन व संगठन के बीच बैठक वार्ता कराकर समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया।

ई-ऑटो पलटा, चालक की मौत,दो साथी घायल, बारिश के गड्ढे से हुआ हादसा

लखनऊ (संवाददाता)। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के भदेसरमऊ गांव में सोमवार देर रात एक इलेक्ट्रिक ऑटो अनियंत्रित होकर नहर सड़क पर पलट गया। इस हादसे में ऑटो चालक 25 वर्षीय भूपेंद्र की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी अजय और मुकेश घायल हो गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि भूपेंद्र अपने साथियों मुकेश और अजय के साथ सवारी उतारने के बाद मुकेश के मामा के घर जा रहा था। रास्ते में भदेसरमऊ की नहर सड़क पर बारिश से बने एक गड्ढे में ऑटो का पहिया फंस गया, जिससे वाहन पलट गया। हादसे में चालक भूपेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथी अजय और मुकेश को हल्की चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भाटी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थाना मलिहाबाद की सेकेंड मोबाइल टीम ने तत्काल घायलों को सीएचसी मलिहाबाद पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने भूपेंद्र को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मृतक के भाई शिवमूरत और परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त इलेक्ट्रिक ऑटो को थाने में कब्जे में लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

प्रेमानंद महाराज के लिए दरगाह पर चढ़ाई चादर,स्वस्थ होने की दुआ मांगी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में मंगलवार को मॉल एवेन्यू की दरगाह दादा मियां में वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य के लिए दुआ की गई। सपा नेता मोहम्मद अखलाक ने दरगाह पर चादर चढ़ा कर प्रेमानंद महाराज के लंबी आयु और जल्द स्वस्थ होने की दुआ मांगी। इस दौरान दरगाह के सेवक और मुस्लिम समुदाय के कई लोग मौजूद रहे। दरगाह पर चादर चढ़ाने के बाद मोहम्मद अखलाक ने कहा प्रेमानंद महाराज जैसे लोगों की समाज को जरूरत है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो हमेशा समाज को जोड़ने की बात करते हैं। मानवता और इंसानियत का पैगाम देते हैं। उन्होंने कहा जब से उनके अस्वस्थ होने की खबर सुनी है। मन बहुत दुखी है। हम लोग लगातार दुआ कर रहे हैं। मन्नत मांग रहे हैं कि प्रेमानंद महाराज शीघ्र स्वस्थ हो जाएं। अपनी यात्रा शुरू कर दें। अपने चाहने वाले लोगों को आशीर्वाद दें। ऐसे लोग ईश्वर का वरदान हैं। मोहम्मद अखलाक ने कहा कौन हिंदू कौन मुसलमान, तू पढ़ ले मेरी गीता मैं पढ़ लूं तेरा कुरआन। उन्होंने कहा महाराज इंसान को इंसान समझते हैं।

पिटाई के बाद बुजुर्ग की मौत, परिजनों का सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। दबंगों ने एक बुजुर्ग को पीट दिया। बुजुर्ग की इलाज के दौरान 14 दिन बाद मंगलवार को मौत हो गई। इससे नाराज परिजनों और ग्रामीण शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई है। परिजन बोले- पुलिस आरोपियों का एनकाउंटर करे। घटना बख्शी का तालाब तहसील के महिंगवा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर चौकी के पास एक गांव की है। मृतक की पहचान मुन्नु लाल के रूप में हुई है। प्रदर्शन स्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा है। पुलिस और प्रशासन के लोग उनको समझाने की कोशिश कर रहे हैं। मृतक के बेटे सुभाष कुमार ने बताया घटना 30 सितंबर को सुबह 11 बजे हुई। गांव के मोहित यादव, छोटू उर्फ पंकज यादव और उनके साथ लगभग 11,12 अज्ञात लोग घर आए और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जिसमें पिता मुन्नू लाल बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें करियर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां उनकी इलाज के दौरान मंगलवार को मौत हो गई। इसके बाद नाराज परिजन और ग्रामीण शव को लेकर पहाड़पुर चौराहा पर पहुंचे। यहां शव रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस-विरोधी नारे लगाए और कुछ ने पुलिस पर चूड़ी फेंकी। परिजन आरोपियों के एनकाउंटर की मांग पर अड़े हैं।

सम्पादकीय

युद्ध और शांति के खेल में नोबेल

वैश्विक राजनीति में किस तरह नोबेल पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मान की आड़ में नए खेल रचे जा रहे हैं, इसका ताजा उदाहरण 2025 के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए घोषित नाम पर सामने आया। वेनेजुएला की राजनेता मारिया कोरिना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। समिति ने इसका ऐलान करते हुए कहा कि 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार शांति के एक साहसी और ऐसी चौंपियन को दिया जाता है, जो बढ़ते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ को जलाए रखती है। बता दें कि मारिया कोरिना मचाडो को वेनेजुएला की श्आयरन लेडीश भी कहा जाता है, उन्होंने स्वतंत्र चुनावों को बढ़ावा देने वाले नागरिक समाज समूह सुमाते और लोकतांत्रिक परिवर्तन की वकालत करने वाले गठबंधन सोयवेनेजुएला की स्थापना में सहायता की। वे 2010-2015 से नेशनल असेंबली की सदस्य रही हैं। बताया जाता है कि पिछले कुछ सालों में मारिया को छिपकर रहना पड़ा था, क्योंकि उनकी जान को खतरा था, लेकिन वो देश छोड़कर नहीं गईं। नोबेल समिति का कहना है कि वेनेजुएला में रहना उनका फैसला था, जिससे कई लोगों को प्रेरणा मिली। जब तानाशाह सत्ता पर कब्जा कर लेते हैं, तो स्वतंत्रता के लिए लड़ने और सत्ता का विरोध करने वाले लोगों को पहचानना जरूरी होता है।लेकिन यही पूरा सच नहीं है। न ही मचाडो दुनिया में अकेली ऐसी नेता हैं। दुनिया के कई देशों में सत्ता की मनमानी और लोकतंत्र के नाम पर तानाशाही को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति के खिलाफ आवाजें उठाई जा रही हैं, सत्ता के दमन और अत्याचारों का सामना किया जा रहा है। मचाडो अगर लोकतंत्र के लिए संघर्ष करती रही हैं, तो दूसरी तरफ वे युद्ध के तरीकों की हिमायत भी करती रही हैं। खासकर इजरायल की वे समर्थक रही हैं। गजा पर बमबारी को वो इजरायल का सही फैसला मानती हैं। साथ ही मारिया अपने खुद के देश में सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए विदेशी ताकतों की मदद लेने से भी नहीं कतराती हैं। 2018 में उन्होंने इजरायल और अर्जेंटीना को खत लिखकर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पद से हटाने की अपील की थी। 2 साल पहले अपनी एक पोस्ट में मारिया ने लिखा था कि श्वेनेजुएला का संघर्ष भी इजरायल की तरह है।श मारिया ने यहां तक कहा था कि अगर वो सत्ता में आईं तो इजरायल की आजादी में पूरी मदद करेंगी।ऐसे में सहज ही सवाल उठता है कि जिस इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर युद्ध के आरोप हों, जिनकी बर्बरता पिछले दो सालों में दुनिया ने देखी है, उसका समर्थन करने वाला कोई भी शख्स आखिर किस तरह नोबेल शांति पुरस्कार का हकदार हो सकता है। लोकतंत्र की बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी करते हैं, बल्कि वे तो दुनिया में सात ऐसे युद्धों को बंद करवाने का दावा करते हैं, जिनके खत्म होने की संभावनाएं नहीं थीं और वे जारी रहते तो भीषण तबाही होती। भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रोकने का दावा भी कम से कम 40 बार ट्रंप कर चुके हैं, जिसे पाकिस्तान ने तो माना है, भारत ने इससे इंकार किया है। हालांकि फिर भी ट्रंप को झूठा कहने की हिम्मत नरेन्द्र मोदी ने अब नहीं दिखाई है। बहरहाल, इन युद्धों को रुकवाने की वजह से ट्रंप खुद को शांति पुरस्कार का सबसे बड़ा दावेदार मान चुके थे। कई बार इसका सार्वजनिक इजहार उन्होंने किया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बाकायदा कहा कि वे ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश करते हैं। फिर गजा शांति समझौते के बाद जिस तरह अमेरिका समर्थक तमाम देशों ने ट्रंप की वाहवाही के ट्वीट किए, उससे जाहिर हुआ कि नोबेल शांति पुरस्कार के लिए जमकर गुटबंदी हो रही है। हालांकि मचाडो को पुरस्कार मिलने की घोषणा के बाद ट्रंप की सारी उम्मीदों पर पानी फिर गया। लेकिन मचाडो ने इस पुरस्कार को ट्रंप को समर्पित करने के साथ ही संकेत दे दिए कि अभी वैश्विक राजनीति में युद्ध और शांति के खेल की लंबी पारी उन्हें खेलनी है। इस बीच गजा शांति समझौते के बाद सोमवार को जब इजरायल और हमास के बीच कैदियों का आदान-प्रदान होना था, तब डोनाल्ड ट्रंप इजरायल पहुंच चुके थे। यहां उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया गया। इस दौरान ट्रंप ने इजरायल और हमास के समझौते को अपनी आठवीं हल की गई संघर्ष उपलब्धि बताया और यह भी कहा कि मैंने ये सब नोबेल के लिए नहीं किया। यहां ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान का जिक्र भी किया कि अगर ये दोनों देश फिर युद्ध की ओर बढ़े, तो मैं टैरिफ लगाऊंगा। यह वही पुरानी धमकी है, जो मई में भी ट्रंप ने दी थी। तो मचाडो हों या ट्रंप, इनका इतिहास और वर्तमान यही सुझा रहा है कि दोनों ही शांति पुरस्कार के सही हकदार नहीं थे। ट्रंप को तो खैर नोबेल पुरस्कार मिला ही नहीं, लेकिम मचाडो को देने से क्या पुरस्कार की गरिमा कम हुई है, यह सवाल वैश्विक पटल पर उभरा है। अमेरिका स्थित मुस्लिम अधिकारों के लिए बने संगठन काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशन ने नोबल समिति को अपने फैसले पर फिर से विचार करने का सुझाव दिया है। संगठन का कहना है, नोबल समिति को एक बार फिर से सोचना चाहिए।

शहबाज शरीफ ने चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़कर पाकिस्तान के मस्तक पर चमचे का ताज सजा दिया है

भारत के दृष्टिकोण से देखें तो यह वह क्षण था जब कूटनीति की मेज पर संवाद के साथ संप्रभुता का भारतीय मॉडल विजयी होता दिखा। भारत ने न तो अमेरिकी मध्यस्थता को स्वीकार किया, न ही पाकिस्तान की शांति-अभिनय की भाषा में शामिल हुआ। शर्म-अल-शेख में आयोजित गाजा शांति सम्मेलन का मंच सिर्फ.पश्चिम एशिया की राजनीति का नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के भविष्य के संकेतों का भी साक्षी बना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब सार्वजनिक रूप से कहा कि भारत और पाकिस्तान बहुत अच्छे से साथ रहेंगे" और साथ ही भारत को महान देश बताते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अप्रत्यक्ष प्रशंसा की, तो यह केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं था। यह बयान दरअसल उस रणनीतिक संदेश का प्रतीक है, जिसके जरिए ट्रंप एक साथ दोनों एशियाई देशों के साथ अपने रिश्तों को संतुलित रखना चाहते हैं– लेकिन प्राथमिकता के पलड़े भारत की ओर झुके दिखते हैं। ट्रंप के इस वक्तव्य के पीछे दो परतें साफ दिखती हैं। पहली यह है कि वह यह जताना चाहते हैं कि उनकी मध्यस्थता के बिना भारत-पाक युद्ध छिड़ जाता, जो अमेरिकी विश्व उद्धारक की छवि को पुनः स्थापित करने की कोशिश है। दूसरी, मोदी के लिए इस्तेमाल किया गया my very good frie»»fd जैसा संबोधन न सिर्फ.व्यक्तिगत निकटता दशार्ता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि अमेरिका की दक्षिण एशिया नीति अब पाकिस्तान की रणनीतिक उपयोगिता से कहीं आगे निकल चुकी है। भारत के दृष्टिकोण से देखें तो यह वह क्षण था जब कूटनीति की मेज पर संवाद के साथ संप्रभुता का भारतीय मॉडल विजयी होता दिखा। भारत ने न तो अमेरिकी मध्यस्थता को स्वीकार किया, न ही पाकिस्तान की शांति-अभिनय की भाषा में शामिल हुआ। विदेश मंत्रालय ने इस पूरे प्रसंग को संयमित शब्दों में संभालते हुए ट्रंप की भूमिका की सराहना तो की, पर स्पष्ट किया कि भारत शांति के लिए प्रत्यक्ष बातचीत में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप के प्रयासों की ईमानदारी को रेखांकित करते हुए गाजा में बंधकों की रिहाई पर मानवता की जीत पर जोर दिया, न कि किसी नेता की। इसके बरअक्स पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का रवैया चौंकाने वाला और कुछ हद तक लज्जाजनक रहा। ट्रंप की प्रशंसा में उन्होंने जिस तरह चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, वह पाकिस्तान की कूटनीतिक निर्भरता का प्रतीक बन गया। मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूँ, से लेकर अगर यह सज्जन न होते तो भारत-पाकिस्तान युद्ध में कोई जीवित न बचता तक, हर वाक्य आत्मसमर्पण जैसा लगा। यह सिर्फ.अमेरिकी कृपा पाने की कोशिश नहीं थी, बल्कि अपने घरेलू असंतोष और सैन्य दबावों के बीच शरीफ द्वारा सुरक्षा-राजनीति की लगाम वॉशिंगटन के हाथों में सौंपने जैसा कृत्य था। यह वही पाकिस्तान है जिसने वर्षों तक अमेरिका से समानता की मांग की, पर अब एक नेता के व्यक्तिगत धन्यवाद में अपनी संप्रभुता का स्वर खो बैठा। शहबाज शरीफ का यह रवैया दो बातों को उजागर करता है। पहला यह कि पाकिस्तान की विदेश नीति आज आत्मनिर्भरता से कोसों दूर है और दूसरा यह कि शहबाज अपनी नाकामी को अमेरिकी प्रशंसा से ढंकने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप की मुस्कराहट वाली तस्वीर भी बहुत कुछ कहती है। ट्रंप ने जिस सहजता से कहा ल्ठी २ॅड्ढल्ल्ॅ ३ड्ढ्न'स्त्रें'ी ३ॅ३ँस्त्रस्त्रील्ल, ४्र३ ?, वह एक राजनीतिक व्यंग्य था। यह संकेत था कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया में मध्यस्थ नहीं बल्कि निर्देशक की भूमिका निभाना चाहता है और शहबाज शरीफ ने उसी वाक्य को अपने कृतज्ञता के ग्रंथ में बदल डाला। हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप की शांति की राजनीति में भारत की भूमिका गरिमा के साथ सीमित रही। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह का सम्मेलन में उपस्थित होना और भारत का आधिकारिक वक्तव्य, दोनों ने यह संदेश दिया कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर दूसरों के सहारे नहीं बल्कि अपने सिद्धांतों पर खड़ा रहेगा। इस पूरी घटना का सार यही है कि जहाँ ट्रंप अपनी चुनावी छवि के लिए वैश्विक शांति-स्थापक का वस्त्र पहन रहे हैं, वहीं शहबाज शरीफ अपने कूटनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए उस वस्त्र के किनारे झाड़ रहे हैं। मोदी की शांत-नपी-तुली प्रतिक्रिया और शहबाज शरीफ की अतिशय प्रशंसा का यह विरोधाभास न केवल तीन नेताओं के व्यक्तित्व का अंतर बताता है, बल्कि दक्षिण एशिया के शक्ति-संतुलन का भी प्रतीक है। शर्म-अल-शेख का यह दृश्य इतिहास में शायद गाजा शांति सम्मेलन के नाम से दर्ज होगा, पर भारत और पाकिस्तान के लिए यह एक और संकेत छोड़ गया कि जो नेतृत्व अपने राष्ट्रीय सम्मान को दूसरों की तारीफों में खो देता है, वह शांति नहीं, पराधीनता का मार्ग चुनता है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेताओं की भाषा और बर्ताव ही यह तय करते हैं कि वे अपने देश का प्रतिनिधित्व किस गरिमा से कर रहे हैं। बहरहाल, वैसे तो नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ के बीच किसी तरह की तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन दो पड़ोसी राष्ट्रों के नेतृत्व के बीच का अंतर इस मंच पर साफ दिखाई दिया। मोदी ने भारत के स्वाभिमान को दृढ़ता से बरकरार रखा और ट्रंप ने मोदी की प्रशंसा की, ना कि मोदी ने ट्रंप की प्रशंसा की। इसके उलट, शहबाज शरीफ ने अपने देश के स्वाभिमान की चिंता किए बिना सार्वजनिक मंच से ट्रंप की खुलेआम चापलूसी की। यह दृश्य दक्षिण एशिया की बदलती राजनीतिक मानसिकता और नेतृत्व की गुणवत्ता पर गहरी टिप्पणी छोड़ गया– जहाँ भारत का नेतृत्व आत्मगौरव और संतुलन का प्रतीक बनकर उभरा, वहीं पाकिस्तान का नेतृत्व आत्मविश्वासहीनता और निर्भरता की छवि में सिमट गया।

विदेश मंत्रालय ने इस पूरे प्रसंग को संयमित शब्दों में संभालते हुए ट्रंप की भूमिका की सराहना तो की, पर स्पष्ट किया कि भारत शांति के लिए प्रत्यक्ष बातचीत में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप के प्रयासों की ईमानदारी को रेखांकित करते हुए गाजा में बंधकों की रिहाई पर मानवता की जीत पर जोर दिया, न कि किसी नेता की। इसके बरअक्स पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का रवैया चौंकाने वाला और कुछ हद तक लज्जाजनक रहा। ट्रंप की प्रशंसा में उन्होंने जिस तरह चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, वह पाकिस्तान की कूटनीतिक निर्भरता का प्रतीक बन गया। मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूँ, से लेकर अगर यह सज्जन न होते तो भारत-पाकिस्तान युद्ध में कोई जीवित न बचता तक, हर वाक्य आत्मसमर्पण जैसा लगा। यह सिर्फ.अमेरिकी कृपा पाने की कोशिश नहीं थी, बल्कि अपने घरेलू असंतोष और सैन्य दबावों के बीच शरीफ द्वारा सुरक्षा-राजनीति की लगाम वॉशिंगटन के हाथों में सौंपने जैसा कृत्य था। यह वही पाकिस्तान है जिसने वर्षों तक अमेरिका से समानता की मांग की, पर अब एक नेता के व्यक्तिगत धन्यवाद में अपनी संप्रभुता का स्वर खो बैठा। शहबाज शरीफ का यह रवैया दो बातों को उजागर करता है। पहला यह कि पाकिस्तान की विदेश नीति आज आत्मनिर्भरता से कोसों दूर है और दूसरा यह कि शहबाज अपनी नाकामी को अमेरिकी प्रशंसा से ढंकने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप की मुस्कराहट वाली तस्वीर भी बहुत कुछ कहती है। ट्रंप ने जिस सहजता से कहा , वह एक राजनीतिक व्यंग्य था। यह संकेत था कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया में मध्यस्थ नहीं बल्कि निर्देशक की भूमिका निभाना चाहता है और शहबाज शरीफ ने उसी वाक्य को अपने कृतज्ञता के ग्रंथ में बदल डाला। हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप की शांति की राजनीति में भारत की भूमिका गरिमा के साथ सीमित रही। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह का सम्मेलन में उपस्थित होना और भारत का आधिकारिक वक्तव्य, दोनों ने यह संदेश दिया कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर दूसरों के सहारे नहीं बल्कि अपने सिद्धांतों पर खड़ा रहेगा। इस पूरी घटना का सार यही है कि जहाँ ट्रंप अपनी चुनावी छवि के लिए वैश्विक शांति-स्थापक का वस्त्र पहन रहे हैं, वहीं शहबाज शरीफ अपने कूटनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए उस वस्त्र के किनारे झाड़ रहे हैं। मोदी की शांत-नपी-तुली प्रतिक्रिया और शहबाज शरीफ की अतिशय प्रशंसा का यह विरोधाभास न केवल तीन नेताओं के व्यक्तित्व का अंतर बताता है, बल्कि दक्षिण एशिया के शक्ति-संतुलन का भी प्रतीक है। शर्म-अल-शेख का यह दृश्य इतिहास में शायद गाजा शांति सम्मेलन के नाम से दर्ज होगा, पर भारत और पाकिस्तान के लिए यह एक और संकेत छोड़ गया कि जो नेतृत्व अपने राष्ट्रीय सम्मान को दूसरों की तारीफों में खो देता है, वह शांति नहीं, पराधीनता का मार्ग चुनता है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेताओं की भाषा और बर्ताव ही यह तय करते हैं कि वे अपने देश का प्रतिनिधित्व किस गरिमा से कर रहे हैं।

दीप पर्व पर उज्ज्वल भावों से भी जगमग हो स्त्रीमन

दीपावली, घर-आंगन को जगमगाने का ही पर्व नहीं, अपनी जिंदगी में प्रकाश पोसने का भी उत्सव है। लोक में फैले आलोक के बीच थोड़ी सी आभा अपने लिए सहेज लेने का का वक्त है। झिलमिल सजावट और दीयों की जगमगाहट के उजाले में अपनी सज-धज के लिए सजग रहने का समय है। इसीलिए प्रकाश पर्व की जगमग वाली त्योहारी श्रृंखला की शुरूआत पर मन के माहौल को भी समझो। अपने व्यक्तित्व की आभा को आंकते हुए निखार-संवार की सोचो। भावनाओं की ज्योति से भविष्य की बेहतर संभावनाओं का मार्ग तलाशो। मत भूलो कि उम्र के हर पड़ाव पर मन-जीवन का उजास और उल्लास से भरे रहना जरूरी है। दीप पर्व की चमक-दमक में भीतरी जगमग को कायम रखने की सोचें। दीपपर्व बाहरी ही नहीं, भीतरी प्रसन्नता को खुलकर जीने की चमक साथ लाता है। अपना आंगन हो या आस-पड़ोस, स्वच्छता और परम्परागत संस्कारों की रोशन रिवायतों के बीच मन के कोने-कोने को उज्ज्वल बनाने की ठानें। मन को संयत रखने से जो आंतरिक चमक आती है, वह त्योहारी मौसम के बाद भी आपको खुशी की दीप्ति से लबरेज रखेगी। सोचिए कि सब कुछ संवारते-सजाते हुए आप ही टूटी बिखरी सी हैं तो आंगन की चमक के मायने? उत्सव के उल्लास का क्या अर्थ? दीपावली का त्योहार तो सुख-समृद्धि के हर पहलू से जुड़ा है। निरोगी काया से लेकर धन-दौलत और रिश्तों के रंग बनाये रखने तक, सकारात्मक सोच से अपनी झोली में उजाला भर लेने का उत्सव है। जो हर तरह के अंधकार पर विजय पाने का संदेश लिए है। फिर क्यों ना दीयों की बाती से बिखरती चमक के बीच अनुभूतियां भी प्रकाशित हों? आज के उलझते-बिखरते जीवन में उत्साह की इस रोशनी से अपनी जिंदगी को भी जगमग करने की राह चुनें। हर तरह की साज सज्जा में अपने प्रति स्वस्ति कामना का भाव भी जरूर हो। कभी-कभी दिल शिकायतों के अंधकार से भर जाता है। चाहे-अनचाहे मन डूबने लगता है। परिवेश में फैली त्योहारी रोनक की उजास में अपने जीवन से जुड़ी छोटी-बड़ी बातों को लेकर निराशा का अंधेरा घेरने लगता है। कभी बीते वक्त से जुड़ा अपराधबोध तो कभी भविष्य की चिंता। स्त्री मन उलझनों के स्याह दायरे में आ ही जाता है। कुछ कमी होने के ख्यालों के बीच हमारा मस्तिष्क जो कुछ है, उसे भी नहीं देख पाता। इस मनःस्थिति में घिरी हैं तो अपने आसपास देखने पर पाएंगी कि कहीं किसी जर्जर घर के द्वार पर दीपक की ज्योत मुस्कुरा रही है। हर दिन अनगिनत उलझनों को जीने वाले लोगों की बस्तियां भी झिलमिल उजास की सजावट लिए हैं। अभावों से जूझ रहे लोगों के आंगन में भी रंगोली उकेरी जा रही हैं। सालभर अपनों से दूर रहने वाले लोग गांव-घर लौट रहे हैं। यह अवलोकन आपके मन में नयी ऊर्जा की ज्योति जलायेगा। आप हर परेशानी को भूल जीवन में मिली ब्लेसिंग्स को देख पाएंगी। दीप्ति बिखेरते दीयों की कतारों के बीच अपने मन को बोझिल होने से बचाने लिए आभार का यह भाव आवश्यक है। प्रकाश पर्व मनाने की सबसे सुंदर और सार्थक रीत यही है कि मन में पॉजिटिविटी की छटा बिखर जाए। मां लक्ष्मी की उपासना का पर्व अपने व्यक्तित्व को सजाने-संवारने से भी जुड़ा है। रूप को आलोकित करने के लिए बाकायदा रूप चौदस का दिन एक के बाद एक मनाये जाने वाली इस त्योहारी कतार का हिस्सा है। आप तो खुद गृहलक्ष्मी हैं। सेहत की संभाल हो या निखार-संवार, खुद की अनदेखी कभी ना करें। सुख-समृद्धि को बटोरते जाने के बजाय उसे जीने का भाव लाएं। आमतौर पर स्त्रियां सब कुछ जुटाती जाती है। सहेजकर रखने का भाव अच्छा है पर जीवन की सहजता में कटौती करना उचित नहीं। खुशी, सुकून और सौभाग्य का प्रकाश हर ओर फैलाने वाले दिवाली पर्व पर धन की देवी लक्ष्मी और ज्ञान की देवी सरस्वती का पूजन किया जाता है। साथ बुद्धि के देवता गणेश भी पूजे जाते हैं। जिसका अर्थ यह है कि गृहलक्ष्मी के रूप में हर स्त्री दायित्व निर्वहन की भागदौड़ में ही गुम ना रहे बल्कि विवेकशील सोच भी रखे। आपाधापी भरे जीवन को ज्ञान के साथ संभाले। अपनी प्रतिभा से उलझनों को सुलझाए। दीपावली का त्योहार आध्यात्मिक, धार्मिक, परम्परागत और व्यावहारिक जीवन के हर पहलू को जगमग करने का उत्सव है। आपकी समझदारी और सूझबूझ से ही घर का आंगन जगमगाता है। याद रहे कि इसमें स्वयं आपके अस्तित्व और व्यक्तित्व की सुघड़ता और सुंदरता भी शामिल है। अमावस्या की रात्रि को दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। अंधेरी रात को प्रकाश पूरित करने की परम्परा ही बहुत कुछ कहती है। दीपक भी संदेश है कि -अप्पो दीपो भव, स्वयं दीप बनो। वहीं दीपावली शब्द का अर्थ ही है ह्यप्रकाश की पंक्तिह्व ऐसे में हर स्त्री को समझना होगा कि अपने भीतर प्रकाश पोसने के प्रयास खुद को ही करने हैं। साथ ही एक महिला के सकारात्मक मनोभावों की उजास किसी न किसी रूप में दूसरी स्त्री तक भी पहुंचती है। सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में यों स्त्रियों के उल्लासित चेहरों की पंक्ति बनते जाने से सुखद क्या हो सकता है? सही मायनों में यही तो अंधकार पर प्रकाश, नाउम्मीदी पर उम्मीद और अज्ञान पर ज्ञान की विजय है।

नव-बौद्धों ने हिन्दू दलितों की अपेक्षा अधिक प्रगति की

एस आर दारापुरी

डा. बाबासाहेब भीम राव अंबेडकर ने सबसे पहले 1927 में महाड़ तालाब सत्याग्रह के दौरान धर्म परिवर्तन का संकेत दिया था जब उन्होंने कहा था, हम समाज में समान अधिकार चाहते हैं। हम जहां तक संभव होगा हिन्दू समाज में रहते हुए प्राप्त करेंगे या यदि जरूरी हुआ तो इस बेकार हिन्दू पहचान को लात मार कर करेंगे। शुरू में डा. अंबेडकर ने हिन्दू समाज में सुधार लाने की पूरी कोशिश की। वे हिन्दू धर्म में रहते हुए ही छुआछूत दूर करना चाहते थे। उनका महाड़ सत्याग्रह एवं नासिक कालाराम मंदिर सत्याग्रह (1930) उनके हिन्दू धर्म को सुधारने के लगातार प्रयासों के स्पष्ट उदाहरण हैं। अंत में, बाबासाहेब ने दुख के साथ महसूस किया कि सवर्ण हिंदुओं के व्यवहार को बदलना असंभव है। अतः उन्होंने हिन्दू धर्म को त्यागने का फैसला किया। घुमाव का बिन्दु अक्तूबर 1935 में आया जब डा. अंबेडकर ने झटका देने वाली घोषणा कीरू मैं हिन्दू अछूत पैदा हुआ यह मेरे बस की बात नहीं थी परंतु मैं हिन्दू के रूप में मरूँगा नहीं 1936 में डा. अंबेडकर ने इस्लाम, ईसाई तथा सिख तीन धर्मों, जिनके स्पष्ट अलग अलग लाभ थे, में से एक धर्म को चुनने का विकल्प रखा। इन तीन धर्मों में इस्लाम तथा ईसाई धर्म अपनाने के बारे में उनका मत था कि इससे डिप्रेस्ड क्लासेस का विराष्ट्रीयकरण हो जाएगा और इससे स्वतंत्रता संघर्ष असंगठित हो जाएगा जबकि सिक्ख धर्म अपनाने से देश को कोई खतरा नहीं होगा। वास्तव में मई 1936 में डा. अंबेडकर ने अपने बड़े बेटे यशवंत और 13 अन्य लोगों को सिक्ख धर्म का

अध्ययन करने के लिए सवर्ण मंदिर अमृतसर भेजा। परंतु जब उन्हें रिपोर्ट मिली कि जट सिक्ख भी दलित सिक्खों पर हिंदुओं की तरह ही अत्याचार एवं छुआछूत करते हैं तो उन्होंने सिक्ख धर्म अपनाने का विचार छोड़ दिया। डॉ. बाबासाहेब भीम राव आंबेडकर ने 31 मई, 1936 को दादर (बम्बई) में धर्म परिवर्तन क्यों? विषय पर बोलते हुए अपने विस्तृत भाषण में कहा था मैं स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूँ कि मनुष्य धर्म के लिए नहीं बल्कि धर्म मनुष्य के लिए है। अगर मनुष्यता की प्राप्ति करनी है तो धर्म परिवर्तन करो। समानता और सम्मान चाहिए तो धर्म परिवर्तन करो। स्वतंत्रता से जीविका उपार्जन करना चाहते हो धर्म परिवर्तन करो। अपने परिवार और कौम को सुखी बनाना चाहते हो तो धर्म परिवर्तन करो।28 अगस्त, 1937 को बाबासाहेब ने अछूतों के समूह को संबोधित करते हुए अपने शिष्यों को हिन्दू धर्म के त्योहार मनाने को त्यागने हेतु कहा। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन तो होकर रहेगा ही परंतु इस मामले में काफी सोचने समझने की जरूरत है। नया धर्म काफी जांच पड़ताल के बाद ही अपनाया जाएगा। अंत में बाबासाहेब ने 14 अक्तूबर, 1956 को दीक्षा भूमि नागपुर में पाँच लाख अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया और कहा कि, आज मेरा नया जन्म हुआ है. जब बाबासाहेब ने आछूतों के धर्म परिवर्तन की बात चलाई थी तो इसका विरोध न केवल सवर्णों बल्कि अछूत नेताओं ने भी किया था। सवर्ण नेताओं का कहना था कि डा. अंबेडकर अछूतों को गुमराह कर रहे हैं। इससे उन्हें कोई फायदा होने वाला नहीं है। इसके विपरीत कुछ का यह भी तर्क था कि डा. अंबेडकर मरे पशुओं को न उठाने की बात कह कर उनको चमड़े तथा हड्डियों से होने वाले चार सौ रुपए के लाभ से वंचित कर रहे हैं। इस पर डा. अंबेडकर ने कहा कि मैं मरे पशु के लिए पाँच सौ रुपए देता हूँ। सवर्ण आगे आएं और मरे पशु को उठाकर लाभ कमाएं और मुझ से पाँच सौ रुपए भी ले लें। परंतु कोई सवर्ण सामने नहीं आया। कुछ अछूत नेता धर्म परिवर्तन का यह कह कर विरोध कर रहे थे कि हमें अपने पुरखों का धर्म नहीं छोड़ना चाहिए और हिन्दू रह कर अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। उनका यह भी कहना था कि इससे अछूतों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में कोई अंतर आने वाला नहीं है। आइए अब देखा जाये कि बाबा साहेब ने धर्म परिवर्तन के जिन उद्देश्यों और संभावनाओं का जिक्र किया था, उन की पूर्ति किस हद तक हुई है। सब से पहले यह देखना उचित होगा कि बौद्ध धर्म परिवर्तन की गति कैसी है। सन 2011 की जन गणना के अनुसार भारत में बौद्धों की जनसंख्या लगभग 84 लाख है जो कुल जनसंख्या का लगभग 0.7 प्रतिशत है। इस में 13ः परम्परागत बौद्ध और 87ः हिन्दू दलितों में से धर्म परिवर्तन करके बने नव-बौद्ध हैं। इस में सब से अधिक बौद्ध महाराष्ट्र में 65 लाख हैं।

जोखिमभरी शांति

अब भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दंभी तेवरों की तर्ज पर लाख दावे करते रहें कि गाजा युद्ध समाप्त हो गया है। मगर हकीकत है कि एक छोटी सी चिंगारी भी युद्ध को भड़का सकती है। एक हकीकत है कि दो साल से जारी युद्ध में जहां एक ओर भले ही गाजा पूरा तबाह हो गया हो, लेकिन इसके बावजूद हमास के लड़ाके पीछे हटने को तैयार नहीं दिखे। उनके पास ट्रंप के भारी दबाव व परिस्थितियों के चलते शांति समझौते को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प बचा ही नहीं था। वहीं दो साल तक युद्ध लड़ते-लड़ते इस्राइली सेना में भी थकान देखी गई थी, साथ ही आतंरिक दबाव युद्ध रोकने के लिये प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी बराबर बना हुआ था। ट्रंप के बड़बोले दावों को पश्चिमी एशिया और शेष दुनिया बेशक गंभीरता से न लेती रही हो, लेकिन अब एक हकीकत सामने है कि उनके हस्तक्षेप ने गाजा में फिलहाल तोपों को शांत किया है। डोनाल्ड ट्रंप का सोमवार को इस्राइल में एक नायक जैसा स्वागत किया गया। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में, बहुत संभव है कुछ हफ्तों में हो। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। कहना मुश्किल है कि आने वाले वक्त में इस्राइल की निरंकुशता पर किसी हद तक अंकुश लग पाता है, ताकि गाजा के लोग फिर से सामान्य जीवन की कोशिश में किसी हद तक सफल हो सकें। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सवाल यह भी रहेगा कि लड़ाई खत्म होना एक स्थायी प्रक्रिया बन सकेगी। युद्ध समाप्ति के बाद घनी आबादी वाले इलाके में शासन कैसे चलेगा? क्या समझौते के अनुरूप हमास की भूमिका प्रशासन में खत्म हो जाएगी? क्या वास्तव में हमास हथियार डाल देगा? हालांकि, तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस्राइली संसद में ट्रंप ने दावा किया है कि हमास उनकी निशस्त्रीकरण योजना के प्रावधानों का पालन करेगा। लेकिन इस चरमपंथी समूह ने फलस्तीन को राज्य का दर्जा मिलने से पहले इस संभावना से इनकार किया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय का नेतृत्व करने वाले हैं, जो गाजा के शासन के लिये एक अस्थायी गैर-राजनीतिक समिति के कामकाज की देखरेख करेगा। निस्संदेह, इस भावनात्मक मुद्दे को राजनीतिक रूप से कुशलता पूर्वक संभालने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से इस विवाद के पटाक्षेप के लिये दो-राज्य समाधान के लिये स्पष्ट समय-सीमा का अभाव एक कसक के रूप में महसूस किया जाता रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी पीठ थपथपा सकते हैं, लेकिन देर-सवेर उन्हें अहसास हो सकता है कि उन्होंने इस बेहद जटिल मुद्दे के समाधान की कोशिशों में अपनी क्षमता से अधिक काम ले लिया है। दशकों से इस्राइल और फलस्तीनियों के संघर्ष की जड़ें गहरी हैं। जिसका स्थायी समाधान एक कल्पित प्रश्न जैसा ही है।

मनोरंजन

शेयर बाजार में बिकवाली हावी; सेंसेक्स 297 अंक गिरा, निफ्टी 25200 से नीचे फिसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, टीसीएस और एनटीपीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। ये 1.4% से 1.8% के बीच गिरे। व्यापक बाजार भी दबाव में रहे। स्मॉल-कैप और मिड-कैप सूचकांक क्रमशः लगभग 0.9% और 0.8% गिरकर बंद हुए। आइए शेयर बाजार का हाल विस्तार से जानें। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट के साथ क्लोजिंग हुई। इस दौरान सेंसेक्स 297.07 अंक या 0.36% गिरकर 82,029.98 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 81.85 अंक या 0.32% गिरकर 25,145.50 पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, टीसीएस और एनटीपीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। ये 1.4% से 1.8% के बीच गिरे। व्यापक बाजार भी दबाव में रहे।

अमृता राव पर किसी ने किया था वशीकरण, 3 बड़ी फिल्में हो गईं डिब्बा बंद

खुलासा कर बोलीं विवाह एक्ट्रेस-इंडस्ट्री में काला जादू होता है

विवाह एक्ट्रेस अमृता राव को भला कौन नहीं जानता। फिल्म में अपने सादगी और मासूमीयत भरे किरदार से दिल जीतने वाली अमृता के फैंस आज भी खूब दीवाने हैं। एक्ट्रेस को हाल ही में जॉली एलएलबी 3 में देखा गया था। इसके पहले भी कई और अन्य फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इसी बीच हाल ही में उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया कि उन पर किसी ने काला जादू किया था। पहले तो उन्हें यकीन नहीं हुआ, लेकिन जब उन्होंने महसूस किया तो वह दंग रह गई थीं। दरअसल, हाल ही में अमृता राव, रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में पहुंची, जहां उन्होंने कई बातों का खुलासा किया। इस दौरान होस्ट ने उनसे ब्लैक मैजिक को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने पहले तो सवाल पर ही सवाल किया कि वह ऐसी चीजें क्यों पूछते हैं तो रणवीर ने बताया कि जो सिंपल और साफ दिल के होते हैं, वो डार्क साइड से ज्यादा अफेक्ट होते हैं। एक्ट्रेस ने आगे खुलासा किया कि एक बार वह अपने गुरुजी से मिली थीं। उन्होंने उस वक्त तो आशीर्वाद दिया लेकिन 1-2 दिन बाद उनकी मां से कहा कि उनकी बेटी पर किसी ने काला जादू किया है। वशीकरण किया गया है। अमृता ये बात सुनकर चौंक गई थीं। उन्होंने कहा- मैं वशीकरण जैसी बात पर कभी भरोसा नहीं करती। अगर ये बात उन गुरु के अलावा किसी और ने बोली होती। अमृता ने आगे कहा, श्मुझे पता है कि वह जेनुअन हैं। उन्हें कुछ भी खोने का मलाल नहीं है। कुछ पाने की इच्छा नहीं है। उन्होंने मुझे बस सच बताया उनकी बातें सुनने के बाद मुझे लगा कि शायद मुझ पर काला जादू हुआ था। अभी तक मैंने दूसरी एक्ट्रेसेस से ही सुना था कि इंडस्ट्री में काला जादू होता है। हालांकि मुझे कभी ऐसा फील नहीं हुआ था। विवाह एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होने उस वक्त तीन बड़ी फिल्में साइन की थीं। और सभी बड़े बैनर की मूवी थीं। लेकिन मजेदार बात ये है कि तीनों ही फिल्में बनी नहीं। एक्ट्रेस ने साइनिंग अमाउंट भी ले लिया था लेकिन जब सब डिब्बा बंद हो गया तो उन्हें वो पैसे लौटाने पड़े थे।

सपना चौधरी के शो में हंगामा, बदमाशों ने कमरे में घुसकर दी गोली मारने की धमकी

हरियाणा की मशहूर डांसर और सिंगर सपना चौधरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनके किसी डांस परफॉर्मेंस से ज्यादा एक बड़े विवाद की है। दरअसल, छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में उनके शो के दौरान हंगामा और धमकी का मामला सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सपना चौधरी से

न केवल बदसलूकी की गई, बल्कि उन्हें गोली मारने की धमकी भी दी गई। यह घटना 12 अक्टूबर की बताई जा रही है। सपना चौधरी का शो कोरबा के जश्न रिजॉर्ट में आयोजित किया गया था। शो में भीड़ इतनी ज्यादा थी कि पुलिस और आयोजकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुरक्षा कारणों से ढाई घंटे का शो केवल एक घंटे में ही खत्म करना पड़ा। इसके बाद, रात में कुछ लोगों ने सपना चौधरी के कमरे में घुसने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने न केवल दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, बल्कि सपना को गालियां दीं और गोली मारने की धमकी भी दी। इस पूरे मामले की शिकायत रिजॉर्ट संचालक चरणजीत सिंह ने पुलिस में दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने चार लोगोंकृअनिल द्विवेदी, सुजल अग्रवाल, नवरंगलाल अग्रवाल और युगल शमाकृके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। रिपोर्ट के अनुसार, ये चारों लोग देर रात सपना चौधरी के कमरे तक पहुंच गए और बदसलूकी की। उन्होंने रिजॉर्ट में तोड़फोड़ की, सीसीटीवी का डीवीआर और 10 हजार रुपये नकद लेकर भाग गए। इस मामले में दूसरी तरफ से भी शिकायत दर्ज कराई गई है। आरोपी अनिल द्विवेदी ने पुलिस को बताया कि वह केवल सपना चौधरी को उनके सफल शो की बधाई देने गए थे। उनका आरोप है कि रिजॉर्ट स्टाफ ने उन्हें रोका और उनके साथ मारपीट कर पांच तोला सोने की चौन लूट ली। घटना के बाद सपना चौधरी ने बयान दिया कि अगर समय रहते रिजॉर्ट मालिक करनदीप सिंह और पुलिस मौके पर न पहुंचते, तो शायद उनकी जान भी जा सकती थी। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रूमर्ड गर्लफ्रेंड के बर्थडे पर सैयारा फेम अहान पांडे ने की लेट नाइट पार्टी

गाने पर झूमते एक-दूजे में खोया दिखा कपल

सैयारा से धमाकेदार डेब्यू करने वाले अहान पांडे एक बार फिर सुर्खियों में हैं, इस बार अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड अनीत पड्डा के कारण। दरअसल, अनीत 14 अक्टूबर को अपना 23वां जन्मदिन मना रही हैं, जिनके साथ अहान का नाम जोड़ा जा रहा है। अपनी को-स्टार और रूमर्ड गर्लफ्रेंड के खास मौके पर अहान ने शानदार सेलिब्रेशन किया, जिसकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। अहान ने अपने इंस्टाग्राम पर खास

पल की झलक शेयर की, जिसमें दोनों म्यूजिक पर झूमते और एक-दूसरे की कंपनी का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों की गजब की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। हंसी-मजाक, साथ में गाना गाना और डांस करना फैंस को खूब पसंद आ रहा है। एक क्लिप में दोनों अपने मैचिंग रिस्टबैंड भी दिखाते नजर आ रहे हैं, जिससे फैंस के बीच उनके रिश्ते को लेकर चचाएं और तेज हो गई हैं। कॉन्सर्ट से सामने आई दोनों की कुछ सेल्फीज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। एक तस्वीर में अनीत और अहान अपनी आंखें बंद करके म्यूजिक का आनंद ले रहे हैं। अनीत और अहान ने फिल्म ह्यसैयाराह्ल से साथ में इसी साल बॉलीवुड में डेब्यू किया है। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। तब से ही दोनों के बीच नजदीकियों की खबरें चर्चा में हैं। हालांकि, अब तक न तो अहान और न ही अनीत ने अपने रिश्ते पर कोई ऑफिशियल बयान दिया है।

बैकस्टेज से ब्लॉकबस्टर तकरू जोया अख्तर के जन्मदिन पर जानिए उनका फिल्मी सफर

जोया अख्तर उन फिल्ममेकर्स में से हैं जिन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी

अलग पहचान बनाई है। अपनी जबरदस्त प्रतिभा, मेहनत और समझ के साथ उन्होंने कई शानदार फिल्में दी हैं। लेकिन एक मशहूर डायरेक्टर बनने से पहले उनकी शुरूआत बहुत पहले हुई थी, जब उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया था। ऐसे में उनके जन्मदिन के मौके पर उनके इस प्रेरणादायक सफर को याद करने का एकदम सही समय है। डायरेक्टर के रूप में अपनी पहली फिल्म लक बाय चांस से पहले, जोया ने एक असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर लंबा सफर तय किया था। उन्होंने मीरा नायर, टोनी गर्बर और देव बेनेगल जैसे बेहतरीन फिल्ममेकर्स के साथ काम किया। इतने शानदार डायरेक्टर्स के साथ काम करने का असर उनकी अपनी फिल्मों में साफ झलकता है। इसके अलावा, उन्होंने दिल चाहता है और लक्ष्य जैसी मशहूर फिल्मों में भी असिस्ट किया था। साल 2009 में अपनी पहली फीचर फिल्म से पहले, जोया ने कुछ म्यूजिक वीडियो और डॉक्युमेंट्रीज भी डायरेक्ट की थीं।आज जोया एक ऐसी फिल्ममेकर बन चुकी हैं जिन्हें किसी पहचान की जरूरत नहीं। उन्होंने जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, दिल धड़कने दो, लस्ट स्टोरीज, गली बॉय, मेड इन हेवन, दहाड़ जैसी कई शानदार और सफल फिल्में दी हैं। बड़ी स्क्रीन पर अपनी बेहतरीन कहानियों से छा जाने के अलावा, उन्होंने ओटीटी और दूसरे एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स पर भी अपनी अलग पहचान बनाई है। कम वक्त में ही जोया ने खुद को इंडस्ट्री की सबसे शानदार डायरेक्टर्स में शामिल कर लिया है। ऐसे में अब उनके सभी फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि जोया आने वाले समय में क्या नया लेकर आने वाली हैं।

विदेश में भारती सिंह ने कराया दूसरे बच्चे का जेंडर चेक? ट्रोल करने वालों को कॉमेडियन ने दिया करारा जवाब

हाल ही में कॉमेडियन भारती सिंह ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की न्यूज फैंस के साथ साझा की। इन दिनों वह परिवार के साथ स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में हैं। अपने व्लॉग चैनल पर भारती सिंह ने उन अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है, जिसमें कहा जा रहा है कि कॉमेडियन ने होने वाले बच्चा का जेंडर चेक कराया है। भारती सिंह ने परिवार वालों और फैंस को दूसरी बार प्रेग्नेंट होने की जानकारी हाल ही में साझा की। यह जानकारी उन्होंने अपने व्लॉग

चैनल पर शेयर की थी। जिसमें बड़े बेटे गोला के हाथ में एक पोस्टर नजर आया, जिसमें लिखा था कि वह बड़ा भाई बनने वाला है। फैंस भारती सिंह के लिए खुश हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर अचानक चर्चा चल पड़ी है कि भारती ने विदेश में दूसरे बच्चे का जेंडर चेक करा लिया है। इस बात को लेकर भारती ने चुप्पी तोड़ी है और सच को सबके सामने रखा है। भारती ने दूसरे बच्चे के जेंडर चेक पर क्या कहा? भारती सिंह ने अपने व्लॉग में कहा, कुछ लोगों ने मुझे मैसेज करके कहा कि आप विदेश में हैं, तो पता कर लीजिए कि लड़का है या लड़की। लेकिन हम नियम नहीं तोड़ते हैं। मैं और हर्ष अच्छा कमा रहे हैं। हमें भगवान बेटा दे या फिर बेटी, हमें स्वीकार है। हमारे परिवार ने भी हमें ऐसा कुछ करने के लिए नहीं कहा है। हम क्यों करें ये सब? हर्ष ने अलग ही बात सामने रखी आगे व्लॉग में भारती के पति और राइटर हर्ष लिंबाचिया ने कहा, ह्यऔर हम सस्पेंस क्यों खत्म करें। सस्पेंस का भी अपना मजा होता है। इस बात पर भारती सिंह भी हामी भरती हैं। आगे व्लॉग में वह अपने बड़े बेटे गोला के साथ घूमने के लिए निकल जाते हैं। प्रेग्नेंसी में भी एक्टिव हैं भारती सिंह भारती सिंह ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी में काफी एक्टिव हैं। वह परिवार के साथ विदेश में घूम रही हैं। अपने व्लॉग चैनल के लिए वीडियो बना रही हैं। साथ ही पिछले दिनों एंकरिंग करते हुए भी उन्हें देखा गया। बताते चलें कि पहली प्रेग्नेंसी के दौरान भी वह काफी एक्टिव रहीं, डिलवरी के आखिरी समय तक काम करती रहीं।

डेटिंग की अफवाहों के बीच फातिमा ने विजय वर्मा के साथ शेयर की तस्वीरें, सेलेब्स ने किए ऐसे कमेंट

डेटिंग की अफवाहों के बीच एक बार फिर फातिमा सना शेख विजय वर्मा के साथ नजर आईं हैं। उनकी पोस्ट पर सेलेब्स ने कमेंट किए हैं। पिछले कुछ समय से फातिमा सना शेख और विजय वर्मा की डेटिंग की अफवाहें चर्चा में हैं। दोनों को अक्सर साथ देखा गया है। एक बार फिर, वे चर्चा का विषय बन गए हैं। इस बार दोनों मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में एक साथ पोज देते हुए नजर आए हैं। इस पर सेलेब्स ने कमेंट किए हैं। विजय वर्मा के साथ नजर आईं फातिमा फातिमा ने इंस्टाग्राम पर सितारों से सजी इस पार्टी की कई तस्वीरें शेयर कीं। अभिनेत्री ने जो तस्वीरें पोस्ट की हैं, उन सभी में विजय वर्मा नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि फातिमा साड़ी, ज्वेलरी और हल्के मेकअप में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। विजय पारंपरिक बंद गला सेट में स्टाइलिश नजर आ रहे हैं। फातिमा की तस्वीरों पर सेलेब्स के कमेंट शुक्रिया मनीष मल्होत्रा, इतनी गर्मजोशी से अपना घर खोलने के लिए। आप वाकई सभी को परिवार जैसा महसूस कराते हैं।' इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मनीष मल्होत्रा ने लाल दिल वाले इमोजी पोस्ट किए। रिश्ते पर फातिमा की राय फातिमा सना शेख हाल ही में फिल्म 'आप जैसा कोई' में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ आर माधवन भी थे। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर फातिमा ने कहा था। 'प्यार में समानता का मतलब है दो लोग एक-दूसरे का सम्मान करें, एक-दूसरे की बात सुनें और इनकार न करें। मुझे लगता है कि अब यह एक बराबरी का रिश्ता है।' विजय वर्मा और फातिमा में से किसी ने भी अपने रिश्ते के बारे में कुछ नहीं कहा है। साथ नजर आएंगे फातिमा और विजय विजय वर्मा और फातिमा सना शेख फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में साथ नजर आने वाले हैं। यह फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की बतौर निमार्ता पहली फिल्म है। फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सारा ने बर्थडे पार्टी में ब्लैक ड्रेस में ढाया कहर, 'भाभी' सानिया भी दिखीं साथ

मुंबई (एजेंसी)। ब्लैक ड्रेस में वह कहर ढा रही हैं। सारा तेंदुलकर अपनी सादगी और स्टाइल दोनों के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरों और फैशन सेंस की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। भारतीय क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर ने 12 अक्टूबर को अपना 28वां जन्मदिन मनाया। सारा का जन्म 12 अक्टूबर 1997 को हुआ था। सोशल मीडिया पर सारा को कई बधाई संदेश मिले। जन्मदिन के दो दिन बाद सारा ने जन्मदिन की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। ब्लैक ड्रेस में वह कहर ढा रही हैं। सारा तेंदुलकर अपनी सादगी और स्टाइल दोनों के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरों और फैशन सेंस की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। जन्मदिन पर सारा के साथ उनकी कई दोस्त नजर आईं। साथ ही सारा ने केक और गिफ्ट्स भी तस्वीरें भी साझा की हैं। सारा के साथ जन्मदिन के मौके पर उनके भाई अर्जुन तेंदुलकर की मंगेतर सानिया चंदोक भी नजर आईं। सारा के जन्मदिन पर सबसे प्यारी शुभकामना भी सानिया चंदोक ने दी थी।

यूक्रेन के पूर्वोत्तर शहर पर रूस का ग्लाइड बम और ड्रोन से हमला

अस्पताल बना निशाना; सात घायल

कीव (एजेंसी)। रूस ने खारकीव पर ग्लाइड बम और ड्रोन से हमला किया, जिसमें सात लोग घायल हुए। 50 मरीजों को तुरंत अस्पताल से बाहर निकाला गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि हमले का मुख्य लक्ष्य ऊर्जा से जुड़ी सुविधाएं थीं। रूस ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर सोमवार रात शक्तिशाली ग्लाइड बम और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में एक अस्पताल को निशाना बनाया गया। इसमें सात लोग घायल हो गया। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने के लिए वॉशिंगटन रवाना होने वाले हैं। जेलेंस्की

अमेरिका से और अधिक सैन्य मदद मांग सकते हैं। खारकीव में शहर के मुख्य अस्पताल को निशाना बनाया गया। क्षेत्रीय प्रमुख ओलेह सिनेहुबोव ने बताया कि इस हमले के बाद 50 मरीजों को तुरंत अस्पताल से बाहर निकाला गया। जेलेंस्की ने कहा कि हमले का मुख्य लक्ष्य ऊर्जा से जुड़ी सुविधाएं थीं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वास्तव में कौन-कौन से ठिकाने निशाना बने हैं। उर्जा संयंत्रों को निशाना बना रहा रूस जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, 'रूस हर दिन, हर रात हमारे उर्जा संयंत्रों, बिजली की लाइनों और प्राकृतिक गैस संसाधनों पर हमला कर रहा है। रूस की यह लंबी दूरी की हमले की रणनीति फरवरी 2022 से चली आ रही है, जब उसने यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया था। इसका मकसद यूक्रेन की बिजली आपूर्ति को ठप करना है, ताकि सर्दियों में आम नागरिकों को गर्मी और पीने के पानी से वंचित किया जा सके। जेलेंस्की ने दुनिया के देशों से की अपील यूक्रेन के राष्ट्रपति ने दुनिया के देशों से अपील की कि वे यूक्रेन को और अधिक वायु रक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस सिस्टम) उपलब्ध कराएं, ताकि वह रूस के इन हमलों को रोक सके। उन्होंने कहा कि यूक्रेन लगभग टेक्सस (अमेरिका का दक्षिणी राज्य) जितना बड़ा देश है और उसे पूरी तरह से हवाई हमलों से बचाना आसान नहीं है। जेलेंस्की ने कहा, 'हम अमेरिका, यूरोप, जी7 और उन सभी देशों की ओर देख रहे हैं, जिनके पास ये प्रणालियां हैं और वे इन्हें देकर हमारे नागरिकों की रक्षा कर सकते हैं। दुनिया को मॉस्को को वास्तव में बातचीत की मेज पर लाने के लिए मजबूर करना होगा। वॉशिंगटन में मुलाकात करेंगे जेलेंस्की-ट्रंप यूक्रेनी राष्ट्रपति शुक्रवार को वॉशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच होने वाली बातचीत का मुख्य विषय अमेरिका की ओर से यूक्रेन को नई और उन्नत लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति हो सकता है, ताकि यूक्रेन रूस पर जवाबी हमला कर सके। ट्रंप पहले ही रूस को चेतावनी दे चुके हैं कि वह यूक्रेन को टोमहॉक क्रूज मिसाइलें दे सकते हैं। अमेरिका पहले इस कदम से बचता रहा है, क्योंकि इससे युद्ध और भड़क सकता है। लेकिन अब इस विकल्प पर विचार हो रहा है, जो अमेरिका और रूस के बीच तनाव और बढ़ा सकता है।

दोहा से हांगकांग जा रही कतर एयरवेज की उड़ान में आई तकनीकी समस्या, अहमदाबाद में सुरक्षित लैंडिंग

अहमदाबाद (एजेंसी)। दोहा से हांगकांग जा रही कतर एयरवेज की एक फ्लाइट को मंगलवार सुबह उड़ान भरने के कुछ समय बाद तकनीकी खराबी के चलते अहमदाबाद एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। विमान को

सुरक्षित उतार लिया गया है और सभी यात्री सुरक्षित हैं। कतर एयरवेज की ओर से दी गई जानकारी के मुताबि, उड़ान संख्या दफ816 ने सुबह करीब 9 बजे दोहा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी और दोपहर करीब 2:40 बजे उसे सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (अहमदाबाद) पर डायवर्ट किया गया। अहमदाबाद हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया, तकनीकी दिक्कत आने के कारण दोहा-हांगकांग मार्ग की यह उड़ान एहतियातन अहमदाबाद की ओर मोड़ी गई थी। विमान ने दोपहर करीब 2:40 बजे सुरक्षित लैंडिंग की। अधिकारी ने कहा कि विमान की पूरी जांच के बाद ही उड़ान दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा। कतर एयरवेज की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, यह फ्लाइट शाम 5:30 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 से हांगकांग के लिए रवाना होगी।

चार दोस्तों को बचाकर खुद हमास के चंगुल में फंसे

अब इस्त्राइल को सौंपा गया इस हिंदू बंधक का शव

तेल अवीव (एजेंसी)। इस्त्राइल और हमास के बीच युद्धविराम के बाद अब बंदियों की अदला-बदली का दौर शुरू हो चुका है। हमास ने 20 जीवित बंदियों को रिहा किया। इसी के साथ दूसरी तरफ हमास की सशस्त्र शाखा अल-कसम ब्रिगेड्स ने 4 मृत इस्त्राइल बंधकों के नाम सार्वजनिक कर, उनके शव सौंप दिए हैं, जिनमें से एक हिंदू छात्र बिपिन जोशी का शव भी शामिल है, जिनकी मौत की पुष्टि कर दी गई है। हमास ने अपहत बंदी बिपिन जोशी का शव दो साल से ज्यादा समय के बाद इस्त्राइल को लौटा दिया गया है। 7 अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान बिपिन जोशी को उनकी बहादुरी के लिए जाना जाता था। उन्होंने बड़ी बहादुरी के साथ उसके 4 दोस्तों को बचाया था। 22 वर्ष के नेपाली छात्र थे बिपिन जोशी बिपिन जोशी, जो कि नेपाली छात्र थे, हमास के हमले के समय 22 वर्ष के थे और गाजा सीमा के पास किबुत्ज अलुमिम में एक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नेपाल से आए थे। माना जाता है कि वह गाजा में जीवित बचे एकमात्र गैर-इस्त्राइली और हिंदू बंधक थे। सोमवार देर रात हमास ने उनका शव इस्त्राइली अधिकारियों को सौंप दिया। जान बचाने के बाद किया था अपहरण बिपिन जोशी की इस्त्राइली यात्रा सितंबर 2023 में शुरू हुई, जब वह गाजा सीमा के पास स्थित किबुत्ज अलुमिम समुदाय में कृषि अध्ययन और कार्य कार्यक्रम के लिए 16 अन्य छात्रों के साथ शामिल हुए। इस पहल के तहत नेपाली छात्रों को इस्त्राइली कृषि पद्धतियों का व्यावहारिक

प्रशिक्षण दिया गया। 7 अक्टूबर की सुबह जब हमास के चरमपंथियों ने अचानक हमला किया, तो छात्रों ने एक बम बंकर में शरण ली। टाइम्स ऑफ इस्त्राइल के अनुसार, जब अंदर ग्रेनेड फेंके गए, तो जोशी ने एक जिंदा ग्रेनेड उठाया और उसे फटने से पहले ही फेंक दिया, जिससे कई लोगों की जान बच गई। हमले में वह घायल हो गए और बाद में हमास के बंदूकधारी उन्हें पकड़कर गाजा ले गए। इसके बाद के इस्त्राइल सेना द्वारा जारी किए गए वीडियो फुटेज में जोशी को गाजा के शिफा अस्पताल में घसीटते हुए दिखाया गया, जो उन्हें जीवित देखने का आखिरी ज्ञात दृश्य था। इस्त्राइल में ही अंतिम संस्कार की उम्मीद इस्त्राइल में नेपाल के राजदूत धन प्रसाद पंडित ने रिपब्लिका को इसकी पुष्टि की है। पंडित ने कहा, बिपिन जोशी का शव हमास ने इस्त्राइल अधिकारियों को सौंप दिया है और उसे तेल अवीव ले जाया जा रहा है। वहीं इस्त्राइल सैन्य प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने भी पुष्टि की कि हमास ने जोशी सहित चार बंधकों के शव लौटा दिए हैं। उनके अवशेषों को नेपाल वापस भेजने से पहले डीएनए परीक्षण किया जाएगा। नेपाली दूतावास के सहयोग से उनका अंतिम संस्कार इस्त्राइल में ही किए जाने की उम्मीद है।

मां ने तकिए से मुंह दबाकर ले ली दो बेटों की जान, खुद चौथी मंजिल से कूदी; पति पर ये आरोप

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आ रही है। जहां एक मां ने पहले तो अपने जुड़वा बच्चों की तकिए से दम घोंटकर जान ले ली, फिर खुद भी चौथे माले से कूदकर आत्महत्या कर ली। आइए जानते है कि पुलिस ने इस घटनाक्रम में किस बात की आशंका जताई है और पति अनिल को हिरासत में क्यों रखा है? हैदराबाद में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक 27 साल की एक महिला चाल्लारी साईलक्ष्मी ने अपने दो साल के जुड़वां बच्चों, चेतन कार्तिकेय और लास्यता वल्ली को तकिए से दम घोंटकर मार डाला और फिर अपने चौथे माले के अपार्टमेंट से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह दुखद घटना मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे की बताई जा रही है, जब ये घटना हुई तब सैलक्ष्मी का पति अनिल कुमार काम पर था। मामले में पुलिस का कहना है कि साईलक्ष्मी और

अनिल के बीच उनके बेटे चेतन की बोलने की समस्या को लेकर अक्सर झगड़े होते थे। चेतन को बोलने में दिक्कत थी और उसका इलाज चल रहा था। इस बात पर दोनों के बीच बार-बार तनाव बढ़ता था। पुलिस को संदेह है कि इसी तनाव ने साईलक्ष्मी को इतना बड़ा और दर्दनाक कदम उठाने के लिए मजबूर किया। सीसीवीटी कैमरे में कैद हुई घटना सुबह 3:37 बजे इमारत के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में साईलक्ष्मी के गिरने की तस्वीर कैद हुई। हैरान पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस उनके घर पहुंची, तो वहां बच्चों के शव मिले। तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने पति अनिल को हिरासत में लिया बता दें कि साईलक्ष्मी के माता-पिता ने अनिल कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। इसके बाद पुलिस ने अनिल को हिरासत में ले लिया है। पुलिस इंस्पेक्टर टी नरसिम्हा राजू ने बताया कि साईलक्ष्मी और अनिल के बीच चेतन की बीमारी को लेकर लगातार बहस होती थी। अनिल हमेशा अपनी पत्नी को ताने मारता था कि तुमने इस दिक्कत वाले बच्चों को जन्म दिया।

ट्रंप ने क्लिंटन से मिली सराहना का किया स्वागत, अमेरिकी राष्ट्रपति को मिस्र का सर्वोच्च सम्मान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तरफ से गाजा युद्धविराम की सराहना किए जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका स्वागत किया है। इस दौरान ट्रंप ने उन्हें अपना दोस्त बताया और कहा उनके साथ मेरे पुराने संबंध हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तारीफ

का स्वागत किया है। बता दें कि, बिल क्लिंटन ने गाजा युद्धविराम समझौते में ट्रंप की भूमिका की प्रशंसा की थी। ट्रंप ने इसे बहुत अच्छा कहा और माना कि क्लिंटन सच कह रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनका बिल क्लिंटन से पुराना संबंध रहा है। उन्होंने कहा, 'वो मेरे दोस्त रहे हैंङ्घ वो और उनकी पत्नी हिलेरी क्लिंटन भी मेरी शादी में भी आए थे।' पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप, उनकी टीम, कतर और अन्य देशों ने मिलकर इस समझौते को सफल बनाया।' उन्होंने इस मौके को स्थायी शांति की दिशा में एक मौका बताया। ट्रंप ने गाजा युद्धविराम को लेकर दिया भाषण गाजा युद्धविराम को लेकर ट्रंप ने मिस्त्र के शहर शार्म अल-शेख में एक शांति सम्मेलन में भी भाषण दिया। उन्होंने इस समझौते को 'पश्चिम एशिया के लिए नए युग की शुरूआत' बताया। उन्होंने कहा, 'हमने वो कर दिखाया जो असंभव कहा जा रहा था। अब युद्ध खत्म हो गया है और एक नई सुबह आ रही है।' गाजा के पुनर्निर्माण पर भी बोले ट्रंप इस दौरान ट्रंप ने दोहराया कि गाजा के पुनर्निर्माण में मदद तो होगी लेकिन पैसा हिंसा के लिए इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा 'हमने तय किया है कि गाजा को दोबारा खड़ा करेंगे, लेकिन हथियारबंदी नहीं होने देंगे।' मिस्त्र के शहर शार्म अल-शेख में एक शांति सम्मेलन में 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल हुए।

गाजा में इस्राइल ने मचाई 13 परमाणु बमों जितनी तबाही, मलबा हटाने में ही लगेंगे 15 साल

गाजा सिटी (एजेंसी)। गाजा पट्टी आज एक भूगोल नहीं बल्कि बारूद में झुलसे मानवीय त्रास का प्रतीक है।

इस्त्राइल ने गत दो वर्षों में करीब 2 लाख टन विस्फोटक बरसाए हैं। यह इतना बारूद है जो 13 परमाणु बमों के साझा असर के बराबर है। हमास की जिद का मूल्य गाजा को एक लाख से अधिक मौतों के रूप में चुकाना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की नवीनतम अक्तूबर 2025 की रिपोर्ट रिकंस्ट्रक्शन इंडेक्स ऑफ गाजा के अनुसार, इस तबाही में 1,05,800 से अधिक इमारतें पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी हैं और हर 10 में से 8 इमारतें खंडहर हैं। गाजा मानव निवास के लिए अयोग्य क्षेत्र है। लगभग 90% आबादी के घर या तो ढह गए हैं या रहने लायक नहीं बचे। 95% से अधिक बहु मंजिला इमारतें जमींदोज हो चुकी हैं। यूएनडीपी और विश्व बैंक के साझा सर्वेक्षण कहता है, गाजा में अब 6 करोड़ टन से अधिक मलबा फैला है। यह मात्रा सीरिया के अलेप्पो युद्ध के दौरान हुए कुल विनाश से तीन गुना अधिक है। मलबा हटाने की अनुमानित लागत 24 अरब डॉलर (करीब 2 लाख करोड रुपए) है जो फलस्तीनी वार्षिक जीडीपी से 4 गुना है। इंजीनियरिंग परिषद के आकलन में कहा गया है कि मौजूदा संसाधनों के आधार पर सिर्फ मलबा हटाने में ही 12 से 15 साल लगेंगे और तब जाकर किसी नए निर्माण की शुरूआत संभव होगी। इसलिए गाजा का पुनर्निर्माण एक बड़ी चुनौती है। करीब 1.52 लाख लोग मारे गए तबाही का सबसे भयावह पहलू मानव जीवन की हानि है। संयुक्त राष्ट्र मानवीय राहत एजेंसी, डब्ल्यूएचओ और यूएनआरडब्ल्यूए की अक्तूबर 2025 तक की समेकित रिपोर्टों के अनुसार गाजा में करीब 1.52 लाख लोग मारे जा चुके हैं। इनमें से 1.8 लाख मौतों की पुष्टि हुई है व 43 हजार से अधिक लोग मलबे में दबे या लापता हैं। घायलों की संख्या 3.72 लाख से अधिक है, जिनमें 60% से ज्यादा महिलाएं-बच्चे हैं। मृतकों में 423 स्वास्थ्यकर्मी, 179 पत्रकार और 247 संयुक्त राष्ट्र राहतकर्मी हैं जो कर्तव्य निभाते हुए हमलों का शिकार बने। बंधकों की रिहाई पर इस्त्राइल में जश्न, कई मुद्दे अब भी अनसुलझे हमास की तरफ से इस्त्राइल के 20 बंधकों को गाजा युद्धविराम के तहत रेड क्रॉस को सौंपते ही इस्त्राइलियों में जश्न शुरू हो गया। पश्चिम एशिया समेत पूरी दुनिया को अस्थिर करने वाला दो साल से जारी विनाशकारी युद्ध खत्म होने से गाजा और इस्त्राइल दोनों जगह लोगों ने उत्सव मनाया। लेकिन युद्धविराम और बंधकों की रिहाई संबंधी शांति योजना सिर्फ पहला कदम है। अगले कदमों पर प्रतिस्पर्धी मांगें बरकरार हैं। इस कारण युद्ध की वास्तविक समाप्ति पर अनिश्चितता है। इस्त्राइली बंधकों को रिहा करते वक्त हमास ने कहा कि 1,900 से अधिक फलस्तीनी कैदियों के बदले 20 जीवित बंधकों को रिहा किया जा रहा है। उधर, इस्त्राइल अभी भी वेस्ट बैंक में कॉलोनी बसाना चाहता है और हमास उसे ऐसा करने से फिर रोकेगा। ऐसे में फलस्तीनी कैदियों की रिहाई पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

स्पेसएक्स ने 40 माले की इमारत के बराबर रॉकेट का सफल परीक्षण किया, 11वीं उड़ान में हासिल की यह खासियत

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने फिर बड़ा कारनामा किया है। सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 11वां टेस्ट सफल रहा। मंगलवार (14 अक्तूबर) को सुबह 5:00 बजे टेक्सास के बोका चिका से स्टारशिप की सफल लॉन्चिंग की गई। स्टारशिप की हिंद महासागर में लैंडिंग कराई गई। स्टारशिप अब तक का

सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। जो कि टेक्सास के दक्षिणी सिरे से आकाश में गर्जना के साथ उड़ा। बूस्टर रॉकेट अलग हो गया और योजना के मुताबिक मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित रूप से प्रवेश किया, और स्टारशिप हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में उड़ता रहा। 11वें परीक्षण का लाइव वीडियो स्टारशिप रॉकेट को परीक्षण उड़ान के दौरान प्रक्षेपित किया और पिछली बार (10वां टेस्ट) की तरह ही दुनिया के आधे हिस्से का सफलतापूर्वक चक्कर लगाया। बूस्टर ने योजना के अनुसार मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित प्रवेश किया, और अंतरिक्ष यान हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में घूमता रहा। घटनास्थल से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। सुपर हैवी बूस्टर की अमेरिका की खाड़ी में वॉटर लैंडिंग कराई गई, जबकि स्टारशिप की हिंद महासागर में वॉटर लैंडिंग हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये टेस्ट 1 घंटे 6 मिनट का था। स्टारशिप अंतरिक्ष यान (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को पूरे तौर से स्टारशिप कहा जाता है। जिसका उद्देश्य भविष्य में रॉकेट को उड़ान भरने वाली जगह पर वापस लाने से जुड़े परीक्षण करना था। स्टारशिप की ऊंचाई 403 फीट है। जिसका उपयोग स्पेसएक्स के संस्थापक और सीईओ एलन मस्क मंगल ग्रह पर लोगों को भेजने के लिए करना चाहते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली रॉकेट स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस भेजने के अपने प्रयासों में दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट, स्टारशिप का उपयोग करने की योजना बनाई थी।

ट्रंप ने की तारीफ, तुर्किये के राष्ट्रपति की अपील

फिर सुर्खियों में मेलोनी का ये अंदाज

शर्म अल शेख (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मिस्त्र में इतालवी पीएम जॉर्जिया मेलोनी की जमकर तारीफ की है तो वहीं एक बार फिर मेलोनी ने अपने 'नमस्ते' कहने के अंदाज से सुर्खियां बटोरी है। मिस्त्र में तुर्किये के राष्ट्रपति ने भी मेलोनी से कुछ खास अपील की। इन सभी का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मिस्त्र के शर्म अल शेख में बीते दिन गाजा युद्ध को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन में कई देशों के नेता जमा हुए। इस सम्मेलन की अध्यक्षता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने की। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की जमकर तारीफ की। वहीं तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने भी इस दौरान मजाकिया अंदाज में दिखे और जॉर्जिया मेलोनी से एक खास अपील करते नजर आए। मेलोनी से बोले ट्रंप- आप बहुत खूबसूरत हैं ट्रंप ने मंच से जॉर्जिया मेलोनी की प्रशंसा की और कहा, 'हमारे पास एक महिला है, एक युवा महिला जो... मुझे यह कहने की अनुमति नहीं है क्योंकि आमतौर पर अगर आप ऐसा कहते हैं तो यह आपके राजनीतिक करियर का अंत होता है। फिर भी मैं कहूंगा कि वह एक खूबसूरत युवा महिला हैं!' ट्रंप ने फिर मेलोनी के लिए कहा कि, 'वह यहां आना चाहती थीं और वह अद्भुत हैं और इटली में लोग उनका बहुत सम्मान करते हैं। वह एक बहुत ही सफल, बहुत ही सफल राजनीतिज्ञ हैं।' तुर्किये के राष्ट्रपति की मेलोनी से खास अपील इस सम्मेलन में तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मजाक में कहा कि अब आपको स्मोकिंग छोड़ देनी चाहिए। बता दें कि, इस दौरान, एक हल्के फुल्के पल में राष्ट्रपति एर्दोगन ने मेलोनी से कहा, 'आप बहुत अच्छी लग रही हैं, लेकिन मुझे आपकी स्मोकिंग छुड़वानी होगी।' इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी पास मौजूद थे और एर्दोगन की यह बात सुनकर जोर से हंसते हुए कहते हैं, 'यह असंभव है।' मेलोनी फिर 'नमस्ते' कहकर बटोरी सुर्खियां मिस्त्र में गाजा शांति समझौते के दौरान मंच पर कई देशों के प्रमुख नेता एक साथ दिखें।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।